राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 246 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,03 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 8 मार्च से शुरू होगा

नई दिल्ली। वर्ष 2021-22 के लिए दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 8 मार्च से शुरू होगा। सत्र 16 मार्च को समाप्त होगा। सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष के बजट में हरित दिल्ली, ईवी नीति, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती संख्या पर ध्यान दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रस्तावित कई अन्य नीतियों के साथ पार्टी द्वारा सत्र के दौरान अपनी नई आबकारी नीति को भी उजागर करने की संभावना है।

देश का निर्यात घटकर 27.67 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटे में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश का निर्यात फरवरी में 0.25 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 27.67 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इस दौरान आयात 6.98 प्रतिशत बढ़कर 40.55 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी शुरुआती आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि फरवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 12.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 10.16 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह अप्रैल-फरवरी के दौरान देश का कुल निर्यात 12.32 फीसदी की गिरावट के साथ 255.92 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में निर्यात 291.87 अरब डॉलर रहा था। अप्रैल-फरवरी के दौरान आयात भी 23 प्रतिशत घटकर 340.88 अरब डॉलर रह गया। अकेले फरवरी में तेल आयात 16.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8.99 अरब डॉलर रह गया। वहीं वित्त वर्ष के पहले 11 माह में तेल आयात में 40.18 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 72.08 अरब डॉलर रहा है। वहीं, आंकड़ों के मुताबिक तेल रहित खल, लौह अयस्क, चावल, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पादों, कालीन, मसालों, दवाओं और रसायन का निर्यात फरवरी में बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार फरवरी में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 27.13 प्रतिशत, चमड़े का 21.62 प्रतिशत, काजू का 18.6 प्रतिशत, रत्न एवं आभूषण का 11.18 प्रतिशत, इंजीनियरिंग सामान का 2.56 प्रतिशत, चाय का 2.49 प्रतिशत और कॉफी का 0.73 प्रतिशत नीचे आया।

गाजीपुर बॉर्डर का एक छोर यातायात के लिए खोला गया

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के प्रदर्शन स्थल गाजीपुर बॉर्डर का एक छोर मंगलवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हिंसा भड़कने के बाद से ही इस मार्ग को बंद कर दिया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आज सुबह इस मार्ग का दिल्ली से गाजियाबाद जाने वाला एक हिस्सा खोल दिया गया। मार्ग का दूसरा छोर अभी भी बंद है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ बड़ी संख्या में किसान दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रियंका की किसान महापंचायत मेरठ में सात मार्च को होगी

मेरठ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की किसान महापंचायत मेरठ में अब सात मार्च को होगी, जो पहले छह मार्च को प्रस्तावित थी। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव चौधरी यशपालसिंह ने मंगलवार को बताया, ''प्रियंका गांधी वाद्रा का छह मार्च को यहां आने का कार्यक्रम था, लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में व्यस्तता के कारण अब महापंचायत की तिथि एक दिन आगे बढ़ा दी गई है। प्रियंका यहां नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों को संबोधित करेंगी।'' वहीं स्थानीय कांग्रेस प्रवक्ता हरिकिशन के अनुसार किसान महापंचायत सरधना के कैली गांव में ही होगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के स्थल में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''सात मार्च को दोपहर 12 बजे कैली गांव में हनुमान मंदिर के पास किसान महापंचायत होगी।''

2030 तक 23 जलमार्गों का संचालन करना है : मोदी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मैरीटाइम इंडिया समिट 2021 का उद्घाटन किया। डेनमार्क के परिवहन मंत्री बेनी एंगलब्रेच, गुजरात और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मनसुख मंडाविया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। पीएम मोदी ने विश्व को भारत में आने और भारत की विकास गति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत समुद्री क्षेत्र में प्रगति के लिए बहुत गंभीर है और विश्व की एक अग्रणी ब्लू इकोनॉमी के रूप में उभर रहा है। बुनियादी ढांचे के उन्नयन, सुधार यात्रा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि थोड़ी-थोड़ी पहुंच के बजाए पूरे क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता जो 2014 में 870 मिलियन टन थी उसे बढ़ाकर अब 1550 मिलियन टन कर दिया गया है। भारतीय बंदरगाहों में अब डाइरेक्ट पोर्ट डिलीवरी, डाइरेक्ट पोर्ट एंट्री और उन्नत पोर्ट कम्युनिटी सिस्टम (पीसीएस) जैसे उपाए किए गए हैं ताकि डेटा का सरल प्रवाह रहे। हमारे बंदरगाहों में आनेवाली और बाहर जाने वाली कार्गो के लिए प्रतीक्षा समय कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि वधावन पारादीप और कांडला में दीनदयाल बंदरगाह में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ मेगा बंदरगाहों को विकसित किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार एक ऐसी सरकार है जो बंदरगाहों में इस प्रकार निवेश कर रही है जैसा इससे पहले कभी नहीं देखा गया था। घरेलू जलमार्ग माल ढुलाई के लिए सस्ते और पर्यावरण के अनुकूल हैं। हमारा लक्ष्य 2030 तक 23 जलमार्गों को चालू करने का है। उन्होंने बताया कि भारत में विशाल तट रेखा पर 189 प्रकाश स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि हमने 78 प्रकाश स्तंभों के आसपास की भूमि पर पर्यटन विकसित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया है। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य मौजूदा प्रकाश स्तंभो का विकास करना और इनके आसपास के क्षेत्रों को विशिष्ट समुद्री पर्यटन स्थलों में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कोच्चि, मुंबई, गुजरात और गोवा जैसे प्रमुख राज्यों और शहरों में शहरी जल परिवहन प्रणालियां शुरू करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने हाल ही में शिपिंग मंत्रालय को बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय का नया नाम देकर समुद्री क्षेत्र के दायरे का विस्तार किया है ताकि काम समग्र तरीके से हो सके। भारत सरकार घरेलू जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत बाजार पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। घरेलू जहाज निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय शिपयार्ड के लिए जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति को मंजूरी दी गई है। पीएम मोदी ने कहा कि बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने 400 निवेश योग्य परियोजनाओं की एक सूची तैयार की है।

बंगाल में आईएसएफ के साथ कांग्रेस का गठबंधन ठगबंधन : संबित पात्रा

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का आईएसएफ के साथ गठबंधन को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चाहे बिहार का चुनाव हो या फिर उत्तर प्रदेश का चुनाव हो, इन सभी चुनावों में कांग्रेस गठबंधन का माध्यम से अपने आप को प्रसांगिक रखने की कोशिश करती है। अपनी डूबी हुई नाव को कांग्रेस ऊपर लाने का प्रयास करती है। मगर जहां भी राहुल गांधी जाते हैं और जिस भी पार्टी का स्पर्श कर देते हैं, उसका डूबना तय है।

उन्होंने कहा कि अभी पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं और ठीक ऐसा ही गठबंधन बंगाल में कांग्रेस पार्टी द्वारा किया गया है। संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस ने जितने भी गठबंधन किए हैं वो किसी अच्छे परफॉर्मेंस, अच्छे रिफॉर्म्स या अच्छी गवर्नेंस के लिए नहीं किए हैं। ये गठबंधन केवल इसलिए किए कि किसी प्रकार गांधी परिवार अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाएं रखें।

उन्होंने कहा कि साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रकार के गठबंधन के लिए सही शब्द का प्रयोग किया था। यह गठबंधन नहीं है ठगबंधन है। इसी प्रकार बंगाल में बीते दिन ठगबंधन देखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर ही गठबंधन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस अपने को सेक्युलर बताती है, वही कांग्रेस बंगाल में आईएसएफ के साथ गठबंधन करती है। केरल में मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन करती है, जमात-ए-इस्लामी के फ्रंट ऑर्गनाइजेशन के साथ गठबंधन करती है। असम में बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन करने की कोशिश करती है।

लव जिहाद पर नहीं लग रहा अंकुश, जय श्रीराम बोलने पर रोक : योगी

मालदा, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधान सभा में सभी राजनीतिक दलों का प्रचार जोरों पर है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बंगाल में चुनावी सभा को संबोधित किया। बंगाल के मालदा में योगी आदित्यनाथ की रैली हुई, जहां उनके निशाने पर राज्य की ममता सरकार रही। योगी ने आरोप लगाया कि बंगाल में जय श्री राम के नारे बोलने से भी रोका जाता है। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने यहां सभा में कहा कि मालदा सनातन संस्कृति की भूमि है। बंगाल में आज अराजकता की स्थिति है, जिससे पूरे देश में दुख होता है। बंगाल में बीजेपी की सरकार बनाकर एक नए परिवर्तन को आगे बढ़ाना है। बंगाल परिवर्तन की धरती रही है, इसी धरती से वंदे मातरम का उद्घोष निकला था।

यूपी सीएम बोले कि कभी भारत को नेतृत्व देने वाला बंगाल आज बदहाल है। बंगाल में सत्ता प्रायोजित अपराध और आतंकवाद देश की सुरक्षा को कड़ी चुनौती दे रहा है। बंगाल में शक्ति की पूजा होती है, लेकिन यहां पर दुर्गा पूजा पर पाबंदी लगाई जाती है। ईद पर जबरदस्ती गोहत्याएं करवाई जाती है, गोतस्करी से भावनाओं को नुकसान पहुंचाया जाता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल में जय श्री राम के नारे लगाने से रोका जाता है, अयोध्या में भी एक सरकार ने रामभक्तों पर गोली चलाई थी, उसका हश्र सभी ने देखा है। जो भी राम का द्रोही है, उनका बंगाल में कोई काम नहीं है।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीएए जब लागू हुआ तो बंगाल में हिंसा क्यों होती है, ये सत्ता की प्रायोजित हिंसा है। बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं किया गया, केंद्र की किसी भी योजना का लाभ यहां के लोगों को नहीं मिल रहा है। योगी बोले कि बंगाल में लव जिहाद को अंजाम दिया जा रहा है, यहां की सरकार इसे रोक नहीं पा रही है। पश्चिम बंगाल पहुंचने से पहले यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया था। यूपी सीएम ने ट्वीट किया कि नमस्कार बंगाल... सनातन संस्कृति की जागृत धरा पर आज आप सभी के बीच उपस्थित होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हो रहा है। वंदे मातरम् के अमर उद्घोष से सम्पूर्ण देश की राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने वाली वीर भूमि को मेरा नमन... जय श्री राम।

मालदा बंगाल में इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां पर अधिकतर वोटर मुस्लिम समुदाय से आते हैं। ऐसे में टीएमसी के गढ़ में सेंध लगाने का जिम्मा बीजेपी की ओर से फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ को दिया गया है। हालांकि, ये मालदा के इलाके में भाजपा पहले भी सेंधमारी कर चुकी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मालदा उत्तर की लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्जा किया था, इसके अलावा पिछले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसी क्षेत्र की वैष्णवनगर सीट को जीता था। यही कारण है कि भाजपा को उम्मीद है कि योगी के नाम पर वो इस इलाके में अपनी पकड़ को मजबूत कर सकती है। मालदा का ये इलाका बांग्लादेश की सीमा से सटा है, जो कि लगातार हथियारों की स्मगलिंग, जाली नोटों की स्मगलिंग के कारण सुर्खियों में रहता है। बीते दिनों भी बंगाल में सीमा से तस्करी का मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

भारतीय सुरक्षा बलों से खौफ में पाक आंतकी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से घुसपैठियों और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का लाइन ऑफ कंट्रोल के पार भी असर दिखने लगा है। आतंकवादियों में भारतीय सुरक्षा बलों का इतना खौफ है कि वे भारत में घुसपैठ के लिए लांच पैड्स पर आने से कतराने लगे हैं।इसके बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए आतंकवादियों को घुसपैठ के लिए भेजना मुश्किल हो रहा है।

सुरक्षाबलों की रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है कि सरहद के पार लांच पैड्स पर नए साल में आतंकियों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। सूत्रों के मुताबिक लांच पैड्स पर सिर्फ 108 आतंकी जनवरी के महीने में दिखाई दिए है। जम्मू बॉर्डर के सामने उस तरफ 103 और कश्मीर घाटी के सक्रिय लांच पैड पर सिर्फ 5 आतंकी मौजूद हैं।

भारतीय खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना और बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने जिस बड़े पैमाने पर आतंकियों के खिलाफ पिछले महीनों में ऑपरेशन छेड़ा, उससे पाकिस्तान की सेना और आईएसआई की नींद उड़ी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि आतंकियों में भारतीय सुरक्षा बलों की कार्रवाई का इतना खौफ है कि वहां लॉन्च पैड्स का नाम सुनने से भी दूर भाग रहे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक कश्मीर घाटी में तंगधार सेक्टर के सामने लश्कर और जैश के सिर्फ 5 आतंकवादी ही मौजूद हैं। इन्हें लुम्बिरान लांच पैड पर इकट्ठा किया गया है, लेकिन ये वहां से भी भागने की फिराक में हैं।

कश्मीर घाटी की तुलना में जम्मू सेक्टर में सरहद पार आतंकवादियों का अधिक जमावड़ा है। जम्मू सेक्टर में पुंछ, कृष्णा घाटी, बिम्बर गली, नौशेरा, सुंदरबनी हीरानगर, अखनूर और अरनिया सेक्टर के सामने स्थित लांच पैड्स पर ये आतंकी इकट्ठा है। रक्षा जानकार मानते हैं कि कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों ने जिस तरीके से आतंकियों की कमर तोड़ी है, उसके बाद सरहद पार से आतंकी जम्मू के रास्ते से घुसपैठ की फिराक में हैं। हालांकि यहां भी आतंकियों की संख्या कम है। जो चार्ट मौजूद है उसके मुताबिक पुंछ सेक्टर के सामने मौजूद 5 लॉन्च पैड्स पर जनवरी के महीने में सिर्फ 21 आतंकी मौजूद थे, वही पिछले साल दिसंबर के महीने में इसी जगह लॉन्च पैड पर 29 आतंकवादी मौजूद थे। अगर पिछले साल जनवरी की बात की जाए,तब यहां 71 आतंकवादियों का भारी जमावड़ा था।

इसी तरह बिम्बर गली सेक्टर के सामने मौजूद 4 लांच पैड्स पर पिछले साल जनवरी 2020 में 177 आतंकवादी मौजूद थे। जनवरी 2021 में इन चार लॉन्च पैड्स पर सिर्फ 30 आतंकी ही बचे हैं। खुफिया सूत्रों के मुताबिक कुल मिलाकर बात की जाए तो इस साल जनवरी-फरवरी में सरहद पार 108 आतंकवादियों का मूवमेंट नोटिस किया गया है।

जनता ने सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर लगाई मुहर : शाह

अहमदाबाद, (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के लिए राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अमित शाह ने ट्वीट कर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और कार्यकताओं को जीत की बधाई दी है। अमित शाह ने ट्वीट में लिखा गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों और किसानों ने भाजपा विजयी बनाकर सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर विश्वास की मुहर लगाई है। मैं गुजरात की जनता को नमन करता हूं। शानदार जीत के लिए विजय रूपाणी, सीआर पाटील और कार्यकर्ता का अभिनंदन। अमित शाह ने दूसरे ट्वीट में लिखा यह विजय गरीब, किसानों और गांवों के विकास के लिए समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कार्यरत भाजपा सरकारों में जनता के अटूट विश्वास की जीत है। मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें देश के गरीब, किसान, और वंचित समाज के कल्याण और विकास के लिए लगातार कटिबद्ध हैं।

औरंगजेब के 5वें बेटे मुहम्मद कम बख्श के नाम का दुर्लभ सिक्का 56 लाख में हुआ नीलाम

दिल्ली, (एजेंसी)। ऐतिहासिक एंटीक वस्तुओं का मूल्य अनमोल होता है। हालही में मुगल शासक औरंगजेब के पांचवें बेटे मुहम्मद कम बख्श के नाम का 10.9 ग्राम का दुर्लभ सोने का सिक्का की नीलामी की गई है। इस दुर्लभ सिक्के की नीलामी का आयोजन बेंगलुरु के नीलाम घर मरुधर आर्ट्स ने किया। इसकी शुरूआती कीमत 45-50 लाख रुपये रखी गई थी। मरुधर आर्ट्स के सीईओ राजेंद्र मारू ने बताया कि बीजापुर दार-उज-जफर टकसाल की इस स्वर्ण मोहर पर फारसी भाषा में लिखा गया है। उन्होंने कहा कि 10.90 ग्राम का यह सिक्का करीब-करीब प्रचलन में नहीं था। इसलिए यह अनोखा सिक्का है।

राजेंद्र मारू ने बताया कि ये नायाब सोने का सिक्का 56 लाख रुपये में नीलाम हुआ। हालांकि, उन्होंने मुगलकाल के इस सिक्के के खरीदार का नाम नहीं बताया। मरुधर आर्ट्स के मुताबिक, मुहम्मद कम बख्श ने कई लड़ाइयों में हिस्सा लिया था। उसने 1707 में बीजापुर किला पर कब्जा भी कर लिया था और खुद को राजा घोषित कर दिया था। हैदराबाद, गुलबर्गा (आज का कलबुर्गी), शाहपुर और विकीनखेड़ा जीतने के साथ धीरे-धीरे उसका दक्कन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा हो गया था। हालांकि, प्रशासनिक अनुभव न होने के कारण कम बख्श के साम्राज्य का पतन हो गया है। औरंगजेब के बड़े बेटे शाह आलम बहादुर ने जब मुगल साम्राज्य की बागडोर संभाली, तब उसने मुहम्मद कम बख्श की ओर से अपने नाम पर सिक्के छपवाने का संज्ञान लेते हुए गंभीर ऐतराज जताया था। कहा जाता है कि इससे दोनों की सेनाओं के बीच भीषण लड़ाई हुई। इस लड़ाई में मुहम्मद कम बख्श बुरी तरह से घायल हो गया था। बाद में उसे पकड़ लिया गया और घायल होने के चलते कम बख्श की दूसरे दिन ही मौत हो गई।

भारत कोविड-19 वैक्सीन के विनिर्माण का विश्व में बड़ा केन्द्र बनकर उभर रहा : हर्षवर्धन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण के लिए सरकारी प्रयासों की सराहना की है। भारत कोविड-19 से संबंधित विभिन्न मानदंडों के अनुरूप बेहतर काम करने में कामयाब रहा है। भारत ने विश्व भर में लगातार न्यूनतम मृत्यु दर और उच्चतम रिकवरी दर बनाए रखी। स्वास्थ्य मंत्री ने वैज्ञानिकों के योगदान का उल्लेख कर कहा, कि हमारे वैज्ञानिकों ने बेहतर कार्य कर 24 घंटे परिश्रम करते हुए हमें दो वैक्सीन दिए जिन्हें भारत में बनाया गया और इन्हें देश में आपात उपयोग के लिए मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि भारत को अक्सर विश्व की फार्मेसी कहा जाता रहा है। लेकिन अब कोविड-19 वैक्सीन के विनिर्माण का विश्व में बड़ा केन्द्र बनकर उभर रहा है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कोविड के प्रबंधन के लिए पूरा ध्यान देकर हमारी सरकार ने अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं आने दी। इस बारे में विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेपों और टेली-मेडिसिन सेवा जैसी प्रौद्योगिकी के उपयोग ने प्रमुख भूमिका निभाई। हमारे ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म ने कम अवधि में 10 लाख डॉक्टर-रोगी परामर्श रिकॉर्ड किए।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना तथा आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना जैसे दूरगामी कार्यक्रमों के जरिए अब हम अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था की नीतियों में सकारात्मक परिवर्तन कर रहे हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, नर्सिंग आयोग विधेयक और संबंधित स्वास्थ्यकर्मी पेशेवर राष्ट्रीय आयोग विधेयक से नई सोच को आकार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में मेडिकल कॉलेजों के विस्तार और स्वास्थ्य ढांच के पुनर्गठन के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनी हैं। हम निरंतर देश में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की व्यवस्था को अत्यंत सक्रिय बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

फूलों से गुलजार दुबईः 13 लाख वर्ग मी. में 6 करोड़ फूल, माली को हेलीकॉप्टर से घुमाया जाता है ताकि वे अपनी मेहनत निहार सकें

दुबई। इन दिनों पूरा दुबई फूलों से गुलजार है। कहीं से भी गुजरिए हर जगह फूल दिखेंगे। दुबई प्रशासन की मानें, तो 13 लाख वर्ग मीटर में 5.7 करोड़ फूल खिले हैं। सड़कों पर फूल लगाने के लिए कलर साइकोलॉजी का ध्यान रखा जाता है। मिसाल के तौर पर ज्यादा ट्रैफिक वाली सड़कों पर शांत, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा देने वाले रंग के फूल लगाए जाते हैं। ताकि ट्रैफिक की वजह से होने वाले तनाव को कम किया जा सके। मालियों की टीम इन बगीचों को देखती है। कई मालियों को हेलीकॉप्टर से शहर दिखाया जाता है, ताकि वे अपनी मेहनत को निहार सकें।

1971 से यह परंपरा चली आ रही है

1971 में दुबई एक देश बना। तब शेख जायद और शेख राशिद ने तय किया था कि इस देश को हराभरा बनाना है। तभी से कोशिश जारी है। इस बार पेटूनिया, सदाबहार, जीनिया, साल्विया, स्नैपड्रैगन आदि किस्म के फूल खिले हैं।

म्यांमार में प्रदर्शनकारियों पर दूसरी बार फायरिंग

नेपितॉ। म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने फायरिंग कर दी। इसमें 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा के घायल होने की खबर है। इससे पहले 20 फरवरी को हुई फायरिंग में 3 लोगों की मौत हुई थी। इनमें एक महिला भी शामिल थी। यूनाइटेड नेशन (ह्न) में म्यांमार के राजदूत क्यॉ मो तुन इस घटना के बारे में बताते हुए रो पड़े थे। तुन ने ह्न से अपील की थी कि म्यांमार के सैन्य शासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और लोकतांत्रिक व्यवस्था को फौरन बहाल करने की मांग की थी। म्यांमार के सैन्य शासन ने ह्न में सेना के खिलाफ आवाज उठाने वाले अपने राजदूत को पद से बर्खास्त कर दिया है।

कई राज्यों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई राज्यों में भी झड़प की खबर है। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस पर रबर बुलेट, आंसू गैस की आड़ में फायरिंग का आरोप लग रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को तीन प्रदर्शनकारियों की मौत रंगून में पुलिस की गोली से हुई है। जबकि, दावोई शहर में दो लोगों की मौत की खबर है। फायरिंग में दो लोगों की मौत मांडले में पुलिस की फायरिंग में हुई है। मीडिया में चल रही तस्वीरों में घायल हुए लोगों को उनके साथी उठाकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। फुटपाथ पर खून के धब्बे दिखाई दे रहे हैं। डॉक्टरों के संगठन व्हाइटकोट अलायंस ऑफ मेडिक्स ने कहा कि पचास से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है।

अब तक 21 लोगों की मौत

पुलिस की फायरिंग में अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है। इससे पहले 20 फरवरी को भी पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की थी। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी। इसमें एक युवती की मौत ने पूरे देश में प्रदर्शन को और तेज कर दिया था।

डब्ल्यूएसओ का अनुमान, दुनिया भर में केवल 10 फीसदी लोगों में कोरोना वायरस एंटीबॉडी मौजूद

जिनेवा। डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि वैश्विक आबादी के 10 फीसद से भी कम लोगों में कोरोना वायरस एंटीबॉडी मौजूद हैं। स्वामीनाथन ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा, जो उन्होंने आधिकारिक डब्ल्यूएचओ ट्विटर हैंडल पर जारी किया, 'दुनिया की आबादी का 10 फीसद से कम वास्तव में इस वायरस के एंटीबॉडी हैं। बेशक कुछ जगहों में, विशेष रूप से बहुत आबादी वाली शहरीं बस्तियों में, जहां 50, 60 फीसद आबादी वायरस के संपर्क में है तो वहां एंटीबॉडीज बन गई होंगी।'

बड़े पैमाने प प्रतिरक्षा को प्राप्त करने का एकमात्र तरीका टीकाकरण के माध्यम सेहै, डब्ल्यूएचओ के मुख्य वैज्ञानिक ने जोर दिया। स्वामीनाथन के अनुसार, वर्तमान में स्वीकृत टीके *COVID*-19 से होने वाली मृत्यु से सुरक्षा प्रदान करते हैं। हल्के रोग और बिना लक्षण वाले कोरोना वायरस संक्रमण के संबंध में टीकों की प्रभावशीलता का अभी भी अध्ययन किया जा रहा है। बता दें कि 114 मिलियन से अधिक कोरोना वायरस मामलों की पुष्टि विश्व स्तर पर पिछले साल की शुरुआत से हुई है।

ट्रम्प ने दिए वापसी के संकेतः 2024 में फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति, बोले-

अलग पार्टी बनाने का कोई प्लान नहीं

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस से निकलने के बाद पहली बार लोगों के सामने आए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2024 में एक बार फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा रिपब्लिकन पार्टी से अलग होने का कोई इरादा नहीं है। मैं कोई नई पार्टी बनाने नहीं जा रहा।

उन्होंने कहा, 'आज मैं आपके सामने ऐलान करने आया हूं कि 4 साल पहले जिस अतुलनीय यात्रा को हमने साथ मिलकर शुरू किया था, उसका अंत अभी दूर है। बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हम यहां अपने मूवमेंट, अपनी पार्टी और अपने देश के भविष्य के बारे में बात करने के लिए इकट्ठा हुए हैं।

अपनी जीत का झूठा वादा दोहराया

ट्रम्प ने फ्लोरिडा के ऑरलैंड में

2021 कंजर्वेटिव पॉलिटिकल ऐक्शन कॉन्फ्रेंस में शिरकत की। उन्होंने अपनी बात रखते हुए सवाल किया कि क्या आपने मुझे मिस किया? इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद बिना मास्क के लोगों के लिए कहा कि यहां कोई मास्क नहीं है। यहां कोई डबल मास्क नहीं है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत की झूठी बात को एक बार फिर से दोहराया। उन्होंने कहा, 'डेमोक्रेट्स चुनाव हार गए थे। किसे पता कि मैं तीसरी बार उन्हें हराने का फैसला भी ले सकता हूं।'

बाइडेन पर भी साधा निशाना

इस दौरान ट्रम्प ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आधुनिक इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल का पहला महीना इतना खराब नहीं रहा है। बाइडेन प्रशासन ने यह साबित किया है कि वे नौकरी विरोधी, परिवार विरोधी, बॉर्डर विरोधी, एनर्जी विरोधी, महिला विरोधी और विज्ञान विरोधी हैं। एक ही महीने में हम 'अमेरिका फर्स्ट' से 'अमेरिका लास्ट' पर पहुंच गए हैं।

एक इंटरव्यू में भी अपनी बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र किया था

6 जनवरी को अमेरिकी संसद के अंदर और बाहर हिंसा हुई थी। भीड़ को उकसाने के आरोप में ट्रम्प पर महाभियोग चलाया गया।

इसमें वे बेकसूर पाए गए। निर्दोष पाए जाने के बाद ट्रम्प ने पहली बार 18 फरवरी को एक टीवी चैनल से बातचीत की थी। 2024 में चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा था कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन, कई सर्वे सामने आए हैं। मुझे जबरदस्त सपोर्ट मिला है और मिल रहा है। याद रखिए मैं वो व्यक्ति हूं जिसके खिलाफ महाभियोग चलाया गया और इसके बावजूद मेरा समर्थन बढ़ रहा है।

मलाला यूसुफजई का सपना

हम बॉलीवुड फिल्में और क्रिकेट देखना चाहते हैं, भारतीय भी पाकिस्तानी नाटक देख सकते हैं; बस दोनों सुकून से रहें

इस्लामाबाद। मेरा सपना है भारत-पाकिस्तान के बीच सीमाओं की बंदिशें न हों.. धर्म और मजहबी विभाजन वाले पुराने खयालात खत्म हों। यह ख्वाहिश है नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई का। मलाला जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के समापन पर अपनी किताब 'आई एम मलाला : द स्टोरी ऑफ द गर्ल हू स्टुड अप फॉर एजुकेशन एंड शॉट बाई द तालिबान' पर वर्चुअली बात कर रही थीं।

उन्होंने कहा, 'हम बॉलीवुड फिल्में और क्रिकेट देखना चाहते हैं, भारत के लोग भी पाकिस्तानी नाटक देखना जारी रख सकते हैं। दोनों कौमें शांति और सुकून से रहें..बस यही मेरा सपना है।'

'अल्पसंख्यक पाकिस्तान में भी असुरक्षित'

मलाला ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि वे तो पाकिस्तान क्या किसी भी देश में सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि

जहां तक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मसला है तो हर देश में इनको सुरक्षा की जरूरत है। चाहे वह पाकिस्तान हो या भारत। यह मसला धर्म से नहीं जुड़ा है, बल्कि अधिकारों के हनन से जुड़ा हुआ है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

'हमारे बीच ये नफरत क्यों पैदा हुई': उन्होंने कहा, 'आप भारतीय हैं और मैं पाकिस्तानी हूं और हम पूरी तरह से ठीक हैं, फिर हमारे बीच यह नफरत क्यों पैदा हुई है? सीमाओं, विभाजनों, फूट डालो और राज करो की पुरानी नीति... ये अब काम नहीं करती हैं, क्योंकि हम सभी शांति से रहना चाहते हैं। भारत और पाकिस्तान के असली दुश्मन गरीबी, भेदभाव और असमानता है और दोनों देशों को एकजुट होकर इसका मुकाबला करना चाहिए, न कि एक-दूसरे से लड़ना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के मसले पर भी बोलीं

मलाला ने कहा कि इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी लगाया जाना और भारत में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की खबर चिंताजनक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार लोगों की मांगों पर ध्यान देना सुनिश्चित करेगी।

वैक्सीन सप्लाई में भी भेदभावः अमीर देशों ने पर्याप्त कोरोना वैक्सीन रिजर्व की, कुल डोज में से आधे 15फीसदी आबादी को जा रहे

न्यूयॉर्क। दुनिया में कोरोना से बचाव के लिए बने टीकों का प्रसार तेजी से हो रहा है। यही वजह है कि टीकाकरण शुरू होने के तीन महीने में ही करीब 23.6 करोड़ डोज लग चुके हैं। ये संख्या दुनिया के कुल संक्रमितों (करीब 11.42 करोड़) से दोगुनी है। टीकों की देशों तक पहुंच के मामले में अमीरी-गरीबी की असमानता साफ झलक रही है।

378 वैक्सीन विकसित करने का काम जारी

67 लाख के करीब डोज रोज लगाए जा रहे। दुनिया में 580 करोड़ वयस्क हैं। इनमें से प्रत्येक का टीकाकरण होना है। इन्हें डोज देने में लंबा वक्त लग सकता है। दुनिया वयस्क आबादी में से 18त्न आबादी 54 अमीर देशों की है। इन्होंने अपने लिए 40फीसदी डोज आरक्षित कर लिए हैं। यानी प्रत्येक नागरिक को ढाई डोज उपलब्ध रहेगा। दुनिया में बन रहे कुल डोज में से आधे अमीर देशों के 15त्न लोगों के लिए हो रही है।

अमीरी का आलम

कनाडा ने प्रति व्यक्ति 11 डोज आरक्षित किए अन्य जगहों पर प्रति व्यक्ति के हिसाब से आपूर्ति महज 1.5 डोज ही है। जर्मनी ने ईयू से अलग जाकर भी डोज पाने का समझौता किया है। कनाडा ने 11 डोज प्रति व्यक्ति के हिसाब से टीके पाने के करार किए हैं, प्रति व्यक्ति के हिसाब से दुनिया में ये सबसे ज्यादा हैं। भारत में 30 करोड़ लोगों को इस साल अगस्त तक टीके लगाने की पर्याप्त व्यवस्था है। रूस और चीन में पर्याप्त डोज की व्यवस्था है। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता सीरम ने अपने उत्पादन का आधा हिस्सा भारत को सुरक्षित कर रखा है।

125 देश वैक्सीन से दूर

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया के करीब 125 देश ऐसे हैं जिनके पास अब तक एक भी डोज नहीं पहुंचा।

कोरोना दुनिया में: अमेरिका से वैक्सीन पर मदद मांगेगा मैक्सिको, आयरलैंड में लॉकडान के विरोध में प्रदर्शन

मैक्सिको। मैक्सिको में संक्रमण के बढ़ते मामले और कमजोर इकोनॉमी के बीच यहां के राष्ट्रपति ने जो बाइडेन से मदद की गुहार लगाई है। प्रेसिडेंट एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ने कहा है कि वे जल्द ही बाइडेन से बातचीत करेंगे और उनसे वैक्सीन शेयरिंग पर मदद मांगेंगे। अमेरिका के इस पड़ोसी देश में संक्रमण के साथ ही मौतों का आंकड़ा भी बढ़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में मामले सामने आ रहे हैं। लोपेज सोमवार को बाइडेन के साथ वर्चुअल समिट में शिरकत करेंगे। दूसरी तरफ, व्हाइट हाउस ने भी साफ कर दिया है कि अमेरिका अपने सहयोगी और पड़ोसी देशों को वैक्सीन देने के लिए तैयार है।

आयरलैंड में नई मुश्किल

आयरलैंड में संक्रमण की तीसरी लहर सामने आ रही है और सरकार ने देश के सबसे बड़े शहर डबलिन समेत कई क्षेत्रों में सख्त लॉकडाउन का ऐलान किया है। लेकिन, इसका विरोध शुरू हो गया है। डबलिन में प्रर्दशनकारियों ने लॉकडाउन का विरोध किया और सड़कों पर उतरे। इस दौरान पुलिस से उनकी हिंसक झड़प भी हुई।

जॉनसन की कोरोना वैक्सीन 'जैनसेन' को इमरजेंसी अप्रूवल

अमेरिका ने जॉनसन एंड जॉनसन की कोरोना वैक्सीन 'जैनसेन' को इमरजेंसी अप्रूवल दे दिया। मॉडर्ना और फाइजर के बाद देश में अप्रूवल पाने वाली यह तीसरी वैक्सीन है। खबर के मुताबिक, यह अमेरिका की पहली सिंगल डोज वैक्सीन है। व्हाइट हाउस के सीनियर ऑफिसर एंडी स्लावित ने सोशल मीडिया पर कहा कि तीसरी सेफ और इफेक्टिव वैक्सीन का आना बहुत अच्छी खबर है। यूएस फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन के एडवाइजर पैनल ने इस वैक्सीन की सिफारिश के लिए वोटिंग की थी। इसमें 22 मेंबर्स ने इसके पक्ष में वोटिंग की थी। इसके विरोध में एक भी वोट नहीं पड़ा।

मेयो क्लिनिक के वैक्सीन रिसर्च ग्रुप के हेड डॉ. ग्रेग पोलैंड का कहना है कि हमें एक वैक्सीन की जरूरत है, जिसका जल्दी और बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हो सके। हम इसकी एफिकेसी ओर यह कब तक सुरक्षा देती है, यह देखना चाहते हैं। जैनसेन वैक्सीन इन सभी पैमानों पर खरी उतरती है। इस वैक्सीन का ट्रायल अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 44 हजार से ज्यादा लोगों पर किया गया था। FDA के मुताबिक, यह वैक्सीन कोरोना के मॉडरेट और क्रिटिकल मरीजों को दी गई। इस दौरान यह 66.1फीसदी इफेक्टिव रही।

अमेरिका में वैक्सीन की सप्लाई कम, डिमांड ज्यादा

अमेरिका ने अब तक कुल 2.92 करोड़ केस की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 5.24 लाख से ज्यादा संक्रमितों की मौत हो गई। इस समय देश में वैक्सीन की डिमांड सप्लाई के मुकाबले कहीं ज्यादा है। आने वाले वक्त में सप्लाई की स्थिति सुधरने की उम्मीद भी नहीं है। जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन को अप्रूवल मिलने से बड़ी आबादी के वैक्सीनेशन में मदद मिलेगी। यह टीका 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों को लगाया जाएगा। अमेरिका में अब तक 7 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

2 हफ्ते पहले साउथ अफ्रीका की सरकार ने अप्रूव न होने के बावजूद जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन अपने हेल्थ वर्कर्स को देने का फैसला लिया था। हेल्थ मिनिस्टर ने खुद इस बात की पुष्टि की।

पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्द्ध का एकमात्र मंदिर

ऑस्ट्रेलिया में तंजावुर की तर्ज पर ग्रेनाइट का सबसे बड़ा मंदिर तैयार, तमिल हिंदुओं ने 20 करोड़ रुपये से कराया पुनर्निर्माण

मेलबर्न। मेलबर्न का श्रीवक्रतुंड विनयगर मंदिर भारत से बाहर पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्द्ध का एकमात्र मंदिर है, जिसे ग्रेनाइट पत्थर से तैयार किया गया है। भगवान गणेश के इस मंदिर को हाल ही में नया रूप देकर खोला गया है। इस मंदिर का डिजाइन विश्व धरोहर तंजावुर के बृहदीश्वर मंदिर से लिया गया है।

मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बाला कांदिआ के मुताबिक, मंदिर का निर्माण पिछले साल जून में खत्म होना था, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से यह टलता रहा। इसमें 20 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। गणेश मंदिर के अलावा यहां अन्य देवी-देवताओं के 11 मंदिर भी बनाए गए है।

मूर्ति खरीदने के पैसे नहीं थे, शंकराचार्य की दी ईंट से रखी गई नींव

श्री वक्रतुंड विनयगर मंदिर के प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष बाला कांदीआ बताते हैं कि 1988 में श्रीलंका में ग्रह युद्ध शुरू होते ही तमिल हिंदुओं को देश छोड़ना पड़ा था। इन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शरण ली। मेलबर्न में कोई दक्षिण भारतीय मंदिर नहीं था, इसलिए लोगों ने मंदिर बनाने का संकल्प लिया। लेकिन इसके लिए पैसा किसी के पास नहीं था। मंदिर के मौजूदा सचिव शान पिल्लै तमिलनाडु से मूर्ति लाए। इसके बाद चंदा जुटाना शुरू हुआ 1990 में मेलबर्न के पूर्वी इलाके में जमीन खरीदी गई।

350 टन ग्रेनाइट लगा

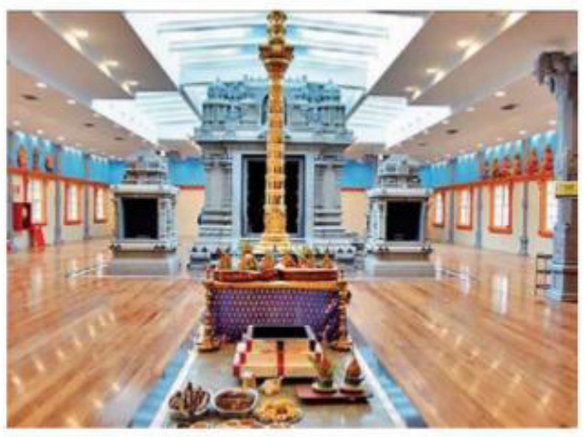

मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बाला कांदिआ के मुताबिक, मंदिर का निर्माण पिछले साल जून में खत्म होना था, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से यह टलता रहा। इसमें 20 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। गणेश मंदिर के अलावा यहां अन्य देवी-देवताओं के 11 मंदिर भी बनाए गए है।

350 टन ग्रेनाइट के 1200 अलग-अलग पत्थर, एक के ऊपर एक जोड़कर 17 लेयर्स में लगे हैं। सबसे छोटे पत्थर का वजन 250 किलो, सबसे भारी 6 टन है। तमिलनाडु में महाबलीपुरम के 100 शिल्पकारों ने ग्रेनाइट पत्थरों को तराशा, फिर ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। डिजाइन में आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर अरुण में और चेन्नई की उमा नरसिम्हन ने सहयोग दिया है।

कोरोना महामारी ने बढ़ाई नफरतः अमेरिका में चीनी मूल के लोगों पर नस्लीय हमले बढ़ोतरी हो रही, न्यूयॉर्क में इस तरह के 10 गुना ज्यादा केस

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन में दक्षिण एशियाई मूल के शख्स को चाकू से हमला करके जख्मी कर दिया गया। 31 जनवरी को सिलिकॉन वैली में 19 साल के हमलावर ने 84 साल के बुजुर्ग की हत्या कर दी। अमेरिका में बीते एक साल से ऐसे मामलों की बाढ़ आई हुई है। मार्च से दिसंबर 2020 के बीच दक्षिण एशियाई लोगों पर तीन हजार से ज्यादा हमले हो चुके हैं।

अकेले न्यूयॉर्क में ही 2019 की तुलना में 10 गुना हमले बढ़े हैं। इन हमलों के ज्यादातर शिकार चीन, ताइवान और थाईलैंड मूल के लोग हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कोरोना के लिए चीन को जिम्मेदार बताया था। तब से ही चीनी मूल के लोगों पर हमले बढ़े हैं। जब महामारी बढ़ना शुरू हुई थी, तब ही संयुक्त ने चेतावनी दी थी कि चीन और एशियाई लोगों पर

हमले हो सकते हैं।

हमलों के खिलाफ रैली

हमलों के खिलाफ न्यूयॉर्क में रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। न्यूयॉर्क में एशियाई अमेरिकन कम्युनिटी (चीनी संगठन) की सदस्य लूसी चिंग ने कहा कि इस शहर में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा नहीं देखी गई है। यह हमले 9/11 के आतंकी हमलों के बाद उपजे हालात की यादें ताजा कर रहे हैं। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बिल डी ब्लासियो ने कहा कि ऐसे हमले अप्रवासियों पर अन्याय हैं। रैली को ब्लासियो ने भी समर्थन दिया। हमले रोकने के लिए प्रवासियों के नेता मेयर के साथ बैठक करेंगे।

एक चौथाई हमले बे एरिया में हुए

एशियाई प्रशांत नीति- योजना परिषद ने अपराध के खिलाफ अभियान शुरू किया है। इसके तहत NYC.Gov/StopAsianHate नाम का वेबपेज लॉन्च किया। परिषद के मुताबिक एक चौथाई से ज्यादा हमले सैन फ्रांसिस्को के बे एरिया में हुए, जो चीनी मूल के लोगों का हब है। अमेरिका के एक तिहाई चीनी अमेरिकी इसी इलाके में रहते हैं। बीते दो महीने में यहां 32 लोगों पर हमले हुए हैं और उन्हें लूटा गया है।

बाइडेन ने ऐसे हमले रोकने के आदेश दिए

बढ़ते हमलों पर लगाम लगाने के लिए व्हाइट हाउस ने कदम उठाया है। हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक आदेश में कहा कि चीनी और प्रशांत महाद्वीप के लोगों के साथ अमेरिका में अपराध और नस्लीय हिंसा स्वीकार्य नहीं हैं।

स्वास्थ्य विभाग से कहा गया है कि जब वे महामारी पर चर्चा करें तो इस वर्ग की बात नहीं करें, ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आएगा।

कोर्ट ने हत्यारोपित को जमानत देने से किया इन्कार

नई दिल्ली। दिल्ली दंगे के दौरान वेलकम इलाके में व्यक्ति की हत्या करने के मामले में सोमवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक आरोपित को जमानत देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने आदेश में कहा कि आरोपित आसिफ पर लगे आरोप गंभीर हैं। वह अन्य कई मामलों में आरोपित है। ऐसे में उसे जमानत देना उचित नहीं। गत वर्ष 25 फरवरी को दंगे के दौरान मुख्य मौजपुर रोड पर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी।

बाद में जांच के दौरान मृतक की पहचान ब्रजपुरी निवासी प्रेम सिंह के रूप में हुई थी। उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला था कि चाकू से गोद कर उनकी हत्या की गई थी। इस मामले में आरोपित आसिफ की जमानत अर्जी पर सोमवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की कोर्ट में सुनवाई हुई। बचाव पक्ष ने झूठे मामले में फंसाने की दलील पेश करते हुए कहा कि इस केस में कोई चश्मदीद गवाह नहीं है। अभियोजन पक्ष ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि आसिफ इस केस के अलावा 18 मामलों में आरोपित है।

इसमें से तीन मामले आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज हैं। कोर्ट को यह भी बताया कि आरोपित से पूछताछ की गई थी। जिसमें उसने बयान दिया था कि उसके समुदाय के लोग नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का विरोध कर रहे थे। जबकि अन्य समुदाय के लोग सीएए और एनसीआर के समर्थन में सड़क पर उतरे हुए थे। उनको सबक सिखाने के लिए यमुना विहार, मुख्य मौजपुर रोड, विजय पार्क में लाठी, डंडे, तलवारों से हमला किया गया था। कई गवाहों के बयान भी अभियोजन पक्ष ने कोर्ट के सामने रखे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपित आसिफ की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

कूड़े से तैयार मिट्टी से बनने जा रही पहली सड़क, लैंडफिल में तैयार की गई मिट्टी

पूर्वी दिल्ली। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर ट्रामेल मशीनों के जरिये कूड़े का निस्तारण कर मिट्टी (सड़क बनाने में इस्तेमाल योग्य) बनाई जा रही है। काफी मात्रा में मिट्टी लैंडफिल साइट पर ही पड़ी हुई है। इसका इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। इसकी वजह से निस्तारण की गति भी मंद पड़ गई है। लेकिन अब इस मिट्टी के प्रयोग का रास्ता खुलता दिखाई दे रहा है। इससे प्रयोग के तौर पर एनएच-9 के पास कल्याणपुरी क्षेत्र में आठ सौ मीटर की सड़क बनाई जाएगी।

निगम का दावा है कि देश में यह पहली सड़क होगी जो कूड़े से तैयार मिट्टी से बनेगी। इस पर जल्दी काम शुरू हो जाएगा। अगर यह सफल रहा तो एनएचएआइ (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) भी जल्द ही इस मिट्टी का प्रयोग शुरू कर देगा।

दरअसल, साल 2016 में पूर्वी निगम और एनएचएआइ के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पड़े कूड़े से ट्रामेल मशीनों के जरिये निकली मिट्टी का प्रयोग एनएचएआइ को हाईवे बनाने के लिए करना था। लेकिन बाद में एनएचएआइ ने इसका इस्तेमाल करने से इन्कार कर दिया। इसकी वजह यह थी कि इस मिट्टी के जरिये बनी सड़क के भविष्य पर शंकाएं थी।

इसे देखते हुए पूर्वी निगम के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों ने केंद्र सरकार के प्रमुख विज्ञानी सलाहकार के विजय राघवन के कार्यालय से संपर्क साधा। वहां पूरी योजना को पेश किया गया। यहां तय हुआ कि पहले प्रयोग के तौर पर एक सड़क बनाई जाए। इसके परिणाम के आधार पर आगे का फैसला किया जाएगा। इसके बाद राघवन के कार्यालय के वाइस प्रेसिडेंट स्वपन मेहरा, सीआरआरआइ (केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान) के वरिष्ठ विज्ञानी डा. वसंत ने पूर्वी निगम के पूर्व मुख्य अभियंता प्रवीण खंडेलवाल के साथ एनएच-9 का दौरा किया।

एनएच-9 के आसपास तीन जगहों का अवलोकन किया गया, जहां निगम को सड़कें बनानी थी। मयूर विहार फेज-2 के पास सड़क पर भार अधिक न होने की वजह से उसे रद कर दिया गया। इसके बाद कल्याणपुरी और अक्षरधाम मंदिर के पास प्रस्तावित सड़क की जगह का अवलोकन किया गया। इसमें कल्याणपुरी के पास 800 मीटर की सड़क इस मिट्टी से बनाने का फैसला किया गया।

प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि 800 मीटर की सड़क बनाने पर करीब 25 हजार मीटिक टन मिट्टी का इस्तेमाल होगा। अभी गाजीपुर लैंडफिल साइट पर प्रतिदिन 3500 मीटिक टन मिट्टी तैयार हो रही है। फिलहाल इसमें से कुछ हिस्सा बदरपुर स्थित बोटेनिकल पार्क और गाजीपुर स्थित कूड़े से बिजली बनाने के संयंत्र में इस्तेमाल हो रहा है।

लेकिन पूरा उपयोग नहीं होने की वजह से लैंडफिल साइट पर यह मिट्टी काफी मात्र में पड़ी है। प्रयोग सफल रहने पर एनएचएआइ हाईवे बनाने में इस्तेमाल करेगा। इससे पूर्वी निगम को तीन फायदे होंगे। पहला गाजीपुर लैंडफिल साइट पर कूड़े के निस्तारण को गति मिलेगी। दूसरा सड़क बन जाएगी।

किसान नेताओं के खिलाफ फूट रहा लोगों का गुस्सा, सबसे पहले टिकैत पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली की दो सीमाओं पर चल रहे किसानों के आंदोलन के खिलाफ अब लोगों का गुस्सा फुटने लगा है। इन धरना स्थलों के आसपास रह रहे लोग इसके लिए किसान नेताओं को जिम्मेदार मान रहे हैं और उनके खिलाफ प्रदर्शन करने लगे है। इससे पहले भी किसानों के प्रदर्शन के खिलाफ आवाजें उठने लगी थीं। टीकरी बॉर्डर, सिंघु बॉर्डर और यूपी गेट पर किसानों का धरना बीते तीन माह से अधिक समय से चल रहा है। जानकारी के अनुसार टीकरी बॉर्डर और सिंघु बॉर्डर पर आसपास के रहने वालों को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। हाइ वे होने के कारण इस बॉर्डर पर काफी संख्या में पेट्रोल पंप बने हुए थे। इसके अलावा 400 से अधिक छोटी बड़ी दुकानें थीं वो सब बंद पड़ी हुई हैं।

धरने की वजह से पेट्रोल पंप संचालक परेशान है, गाड़ियों की आवाजाही नहीं हो रही है उनका कारोबार बुरी तरह से प्रभावित है। इसके अलावा जो छोटे बड़े ढाबे, होटल आदि चल रहे थे उन पर ताला लगने की नौबत आ गई है। इससे पहले ये सभी कोरोना की वजह से परेशान थे, उसके बाद किसानों ने उनको काराबोर को पुरी तरह से चौपट कर दिया है। उधर आंदोलन के कारण हो रहे नुकसान को देखते हुए सोमवार को किसान सड़क पर उतर आए। दिल्ली के गांव झाड़ौदा कलां के किसानों ने बार्डर खुलवाने की मांग करते हुए सुबह 10 बजे नजफगढ़-बहादुरगढ़ रोड स्थित मुंगेशपुर ड्रेन पुल पर चार घंटे जाम लगाया और नारेबाजी की। इस दौरान उनके निशाने पर भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत रहे। उनका कहना था कि राकेश टिकैत की वजह से ही हम नुकसान सहने को मजबूर हैं। प्रदर्शन में शामिल मौजीराम ने बताया कि इस मसले पर झाड़ौदा कलां गांव को दिल्ली के सभी गांवों का समर्थन प्राप्त है। जाम के कारण हरियाणा-दिल्ली के बीच आवाजाही बाधित होने से लंबा जाम लग गया। वाहन चालक खेतों के रास्ते दिल्ली की ओर आ-जा रहे थे। इस बीच दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को आश्वस्त किया कि तीन दिन बाद बार्डर खोल दिया जाएगा। इसके बाद दोपहर दो बजे किसानों ने जाम हटाया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि तीन दिन बाद बार्डर नहीं खोला गया तो वे खुद बार्डर खोल देंगे। प्रदर्शन में शामिल ओमप्रकाश डागर, संजय डागर, सुरेंद्र डागर, प्रताप सिंह डागर, बल्लू पंडित, प्रकाश डागर, राकेश डागर, देवेंद्र डागर, काला साहब आदि ने बताया कि झाड़ौदा कलां में करीब 16 हजार एकड़ जमीन है और यहां ज्यादातर सब्जियां ही उगाई जाती हैं, जिनमें गोभी फसल मुख्य है। जो गोभी पहले 10-12 रुपये प्रति किलो बिकती थी, आज वह 50 पैसे किलो भी नहीं बिक रही है। क्योंकि, बार्डर बंद होने से हरियाणा-दिल्ली आने-जाने के लिए वाहन चालक गांव के खेतों के रास्तों का उपयोग कर रहे हैं। इससे धूल उड़ने के कारण गोभी की फसल खराब हो जाती है। बहादुरगढ़ की सब्जी मंडी उनका प्रमुख बिक्री केंद्र था, लेकिन बार्डर बंद होने से यहां आना-जाना बंद है। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाले फ्लाईओवर की लेन फिर बंद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर 3 घंटे खोलने के बाद फ्लाईओवर की लेन फिर बंद कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, मंगवलार सुबह के वक्त एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए बैरिकेड्स हटाए गए थे। इसके बाद करीब तीन घंटे तक दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाली लेन पर वाहनों का आवागमन रहा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी एंबुलेंस के जाने के बाद अन्य वाहनों को नहीं रोका और वाहन गाजियाबाद जाने के लिए रफ्तार भरते रहे। वहीं, दोपहर में फ्लाईओवर की लेन बंद होने से वाहन चालकों को दिल्ली से गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद और हापुड़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दर्जनभर जिले के लोगों के लिए मंगलवार को राहत भरी खबर आई थी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह ही यूपी गेट बॉर्डर पर दिल्ली से गाजियाबाद जाने वाले लोगों के लिए फ्लाईओवर की एक लेन खोल दी थी। दिल्ली पुलिस द्वारा दी गई इस राहत के बाद राजधानी दिल्ली से गाजियाबाद, हापुड़ और मेरठ जाने वाले हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली थी। वहीं, पूर्वी दिल्लीः दिल्ली पुलिस ने बार्डर को फिर से बंद क़िया। पुलिस का कहना सुबह के वक्त एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए बैरिकेड्स हटाए थे। करीब तीन घंटे तक दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाली लेन पर वाहनों का आवागमन रहा बता दें कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर दिल्ली-एनसीआर के चारों बॉर्डर (शाहजहांपुर, टीकरी, सिंघु और टीकरी) पर हजारों की संख्या में किसान डटे हुए हैं। सिंघु बॉर्डर पर किसानों का धरना प्रदर्शन 100 दिन को भी पार कर चुका है।

रसोई गैस सिलेंडर के साथ कांग्रेस प्रवक्ता का पेट्रोलियम मंत्रालय के सामने प्रदर्शन

वित्त मंत्रलय पेट्रोल और डीजल पर टैक्स घटाने के बारे में विचार कर रहा है, ताकि आम ग्राहकों पर बोझ घटाया जा सके। इस विमर्श में शामिल तीन सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

नई दिल्ली। लगातार बढ़ते रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल के दामों के विरोध में भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को शास्त्री भवन स्थित पेट्रोलियम मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों के साथ कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी थीं। उन्होंने रसोई गैस सिलेंडर के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कोरोना काल में लोग पहले से ही परेशान हैं लेकिन डीजल-पेट्रोल के साथ रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने लोगों की कमर तोड़ दी है। बता दें कि एलपीजी सब्सिडी खत्म होने के बाद अब कीमतें बेलगाम होने लगी हैं। सोमवार को एक बार फिर से सरकारी तेल कंपनियों ने सभी तरह की रसोई गैस की कीमतों में 25 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ा दिया है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक महीने में 125 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई है। दिल्ली में इसकी खुदरा कीमत 819 रुपये हो गई है। दिल्ली में गैर-सब्सिडी वाले 19 किलोग्राम के कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,614 रुपये हो गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी के दामों में प्रति किलो 70 पैसे की वृद्धि की है। वृद्धि के साथ नई दिल्ली में सीएनजी का भाव 43.40 रुपये व नोएडा, ग्रेनो व गाजियाबाद में यह 49.08 रुपये प्रति किलो हो गया है। वहीं, वित्त मंत्रलय पेट्रोल और डीजल पर टैक्स घटाने के बारे में विचार कर रहा है, ताकि आम ग्राहकों पर बोझ घटाया जा सके। इस विमर्श में शामिल तीन सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों का कहना था कि वित्त मंत्रलय ने कुछ राज्यों, पेट्रोलियम मंत्रलय और तेल कंपनियों से बातचीत शुरू की है, ताकि राजस्व पर बड़ा बोझ डाले बगैर ईंधन के दामों में कमी की जा सके। पिछले 10 महीनों में कच्चे तेल का दाम दोगुना हो गया है, जिसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल के भाव पर दिख रहा है। पिछले एक वर्ष में सरकार पेट्रोल और डीजल पर दो बार टैक्स बढ़ा चुकी है।

अपने ही स्वच्छ अभियान को ठेंगा दिखा रहा है निगम, नालियों में कूड़ा फेंकने को मजबूर लोग

नई दिल्ली। स्वच्छ अभियान को निगम के अधिकारी ही ठेंगा दिखा रहे हैं। आलम यह है कि जिन बस्तियों में नागरिक गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग कर रहे थे अब वह लोग कूड़ा नाली में फेंकने के लिए मजबूर है। यह जानकारी तब सामने आई है जब निगम स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैकिंग लाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन निगम के पर्यावरण प्रबंधन विभाग(डेम्स) की लापरवाही के चलते स्वच्छ सर्वेक्षण में मुंह की खानी पड़ सकती है। सोमवार को हुई स्थायी समिति की बैठक में कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों ने स्वच्छ सर्वेक्षण के लि निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े किए। स्थायी समिति की उपाध्यक्ष एवं भाजपा पार्षद तुलसी जोशी ने कहा कि सेवा बस्तियों में छोटे-छोटे रिक्शा के

माध्यम से साफ-सफाई की जाती थी लेकिन निगम द्वारा वह रिक्शे हटाए जाने से अब लोग परेशान है। उन्होंने कहा कि जब यहां पर रिक्शे उपलब्ध कराए गए थे उनके वार्ड की ज्यादातर झुग्गी बस्तियों में गीला-सूखा कूड़ा अलग-अलग भी होने लगा था। लेकिन, अब यह सुविधा न होने की वजह से लोग नालियों में कूड़ा फेंकने के लिए मजबूर है। जोशी ने यह भी कहा कि पहले अब एक कंपनी को 700 रुपये कूड़ा उठाने के देते थे जबकि अब यह राशि तीन गुणा कर दी गई है बावजूद इसके यह दिक्कत आ रही है। कांग्रेस पार्षद वेदपाल ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छी रैकिंग लाने के लिए निगम शौचालयों पर आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त की ड्यूटी लगा रहा है। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण जब चल रहा है तब अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही जबकि पूरे साल की स्थिति खराब रहती है। शौचालयों में पानी, साबुन और सफाई को लेकर दिक्कत रहती है। हालांकि निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने झुग्गीबस्तियों में स्वच्छता बनाने के लिए वाहनों को फिर से लगाने और नियमों के पालन के सख्त निर्देश दिए। पूर्व स्थायी समिति की अध्यक्ष शिखा राय ने कहा कि निगम ने 18 वाहन स्वच्छता बढ़ाने के लिए खरीदें, लेकिन उनका पंजीकरण तक नहीं हो पाया है। ऐसे में यह वाहन तीन साल में कबाड़ होते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि निगम 18 वाहन वर्ष 2018 में खरीदे थे। यह बीएस -4 तकनीक के थे। जबकि वर्ष 2019 से बीएस-6 तकनीक लागू हो गई है। इस मामले में वाहनों का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए निगम सुप्रीम कोर्ट तक से गुहार लगा चुका है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 को देखते हुए निगम ने गंदगी फैलाने को लेकर 150 से ज्यादा के खिलाफ कार्रवाई की है। निगम ने कहा कि गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के 100 से अधिका वाहनों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। ऐसे में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसमें उल्लंघनकर्ताओं का 500 रुपये का चालान काटा गया।

12 एटीएम काटकर नगदी लूटने वाला मेवात का कुख्यात गिरफ्तार

नई दिल्ली। गैस कटर से एटीएम काटकर रुपयों से भरा ट्रे लूटने वाले गिरोह के एक कुख्यात बदमाश वकील को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। इसके दो कुख्यात साथियों लियाकत व शमसाद को स्पेशल सेल ने बीते तीन फरवरी को गिरफ्तार किया था। तीनों मेवात के रहने वाले है। इन्होंने दिसंबर व जनवरी में दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एटीएम लूट की 12 वारदातों को अंजाम दिया था।

उक्त 12 एटीएम से बदमाश 1.35 करोड़ रुपये लूट ले गए थे।

डीसीपी स्पेशल सेल प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक वकील गांव सुंध, नूंह, हरियाणा का रहने वाला है। इसके पास से प्वाइंट 32 बोर की सेमी आटोमेटिक पिस्टल व 4 कारतूस मिले हैं। दिसंबर व जनवरी में दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एटीएम लूट की ताबड़तोड़ 12 वारदातों को अंजाम दिया गया था।

अगले सप्ताह पेश होगा दिल्ली का बजट, शिक्षा और स्वास्थ्य पर होगा जोर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का बजट सत्र आगामी 8 मार्च से शुरू होगा और 16 मार्च तक चलेगा।

तकरीबन एक सप्ताह तक चलने वाले बजट सत्र के दौरान दिल्ली विधानसभा में 2021-21 का बजट पेश किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, 8 से 16 मार्च तक होने जा रहे दिल्ली के बजट सत्र में 8 मार्च को आर्थिक सर्वेक्षण पेश होगा। वहीं 9 मार्च को बजट पेश होगा। कोरोना वायरस संक्रमण के इस बार बजट पर लोगों की खास नजर रहेगी, क्योंकि दिल्ली सरकार के राजस्व पर भी कोरोना काल का काफी असर पड़ा है। बावजूद इसके इस बजट में भी शिक्षा और स्वास्थ्य को दिल्ली सरकार पूर्व की तरह प्राथमिकता रखेगी। बता दें कि पिछले साल दिल्ली सरकार का बजट 65000 करोड़ रुपये का था। वहीं, जानकारों की मानें तो अरविंद केजरीवाल सरकार ने

पिछले बजट में हर बार की तरह बढ़ोतरी की थी। इस बार भी 65,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रहने की संभावना है। पिछले साल दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार (‹ड्डद्व ‹ड्डस्रद्वद्ब क्कड्डह्म्4 ह्लश1ह्ल) ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए दिल्ली विधानसभा में कुल 65,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। कोरोना के चलते बजट पेश होने के साथ ही दिल्ली विधानसभा में बगैर चर्चा के ही बजट पास हो गया था। इस बजट को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। कोरोना के चलते बजट पर चर्चा ही नहीं हुई थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। पिछले साल पेश किए गए बजट में उत्तर प्रदेश शिक्षा बोर्ड और हरियाणा शिक्षा बोर्ड की तर्ज पर दिल्ली का भी अपना अलग शिक्षा बोर्ड करने का एलान किया गया था। इसके लिए वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने बजट में खास एलान किया था। इसका मकसद शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना था, इस पर भी इस बार बजट में कुछ आवंटन किया जा सकता है। इसके सात ही दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य योजना के लिए 7704 करोड़ रुपये खर्च करने का एलान किया था। इसके तहत दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत योजना दिल्ली में भी लागू की है।

पिछले साल पेश किए गए बजट में उत्तर प्रदेश शिक्षा बोर्ड और हरियाणा शिक्षा बोर्ड की तर्ज पर दिल्ली का भी अपना अलग शिक्षा बोर्ड करने का एलान किया गया था।

दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाले फ्लाईओवर की लेन फिर बंद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर 3 घंटे खोलने के बाद फ्लाईओवर की लेन फिर बंद कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, मंगवलार सुबह के वक्त एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए बैरिकेड्स हटाए गए थे। इसके बाद करीब तीन घंटे तक दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाली लेन पर वाहनों का आवागमन रहा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी एंबुलेंस के जाने के बाद अन्य वाहनों को नहीं रोका और वाहन गाजियाबाद जाने के लिए रफ्तार भरते रहे। वहीं, दोपहर में फ्लाईओवर की लेन बंद होने से वाहन चालकों को दिल्ली से गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद और हापुड़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दर्जनभर जिले के लोगों के लिए मंगलवार को राहत भरी खबर आई थी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह ही यूपी गेट बॉर्डर पर दिल्ली से गाजियाबाद जाने वाले लोगों के लिए फ्लाईओवर की एक लेन खोल दी थी। दिल्ली पुलिस द्वारा दी गई इस राहत के बाद राजधानी दिल्ली से गाजियाबाद, हापुड़ और मेरठ जाने वाले हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली थी। वहीं, पूर्वी दिल्लीः दिल्ली पुलिस ने बार्डर को फिर से बंद क़िया। पुलिस का कहना सुबह के वक्त एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए बैरिकेड्स हटाए थे। करीब तीन घंटे तक दिल्ली से गाज़ियाबाद जाने वाली लेन पर वाहनों का आवागमन रहा बता दें कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर दिल्ली-एनसीआर के चारों बॉर्डर (शाहजहांपुर, टीकरी, सिंघु और टीकरी) पर हजारों की संख्या में किसान डटे हुए हैं। सिंघु बॉर्डर पर किसानों का धरना प्रदर्शन 100 दिन को भी पार कर चुका है।

मौसा ने रची थी लूटपाट की साजिश, पुलिस ने दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिला पुलिस ने बुराड़ी इलाके में 50 हजार रुपये लूटपाट के मामले में दो आरोपित दीपक और नीरज को गिरफ्तार किया है।

दीपक पीड़ित का मौसा है। उसे युवक द्वारा ले जाए जा रही नकदी की जानकारी थी। उसने साजिश रच नीरज के माध्यम से लूटपाट करवाई थी। उनके पास से एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल व आठ हजार नकदी इत्यादि बरामद की गई है। पुलिस अब अन्य दो फरार बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

उत्तरी जिला के डीसीपी एंटो अल्फोंस ने बताया कि संत नगर निवासी शम्मी 26 फरवरी को 50 हजार रुपये अपने जानकार को देने जा रहे थे। उन्होंने नकदी अपनी स्कूटी के डिग्गी में रख रखी थी। जैसे ही वे बुराड़ी के लेबर चौक के समीप पहुंचे। वहां स्कूटी पर आए तीन बदमाशों ने स्कूटी में टक्कर मार उन्हें रोक लिया। बाद में वे शम्मी के साथ मारपीट कर डिग्गी से रुपये लेकर फरार हो गए। शिकायत के बाद बुराड़ी थाना पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया था। उधर बुराड़ी थाना एसएचओ सुरेश कुमार की टीम ने घटना स्थल के समीप लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं मिल सका।

वहीं, अन्य सीसीटीवी फुटेज में वारदात में शामिल एक बदमाश एक मोटरसाइकिल पर सवार दिखा। रजिस्ट्रेशन नंबर से पता चला कि उक्त मोटरसाइकिल पीड़ित के मौसा दीपक की है। इसके बाद पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि लूटपाट के लिए उसने नीरज की मदद ली थी। शम्मी द्वारा रुपये ले जाने की सूचना पर नीरज अपने अन्य दो सहयोगियों के साथ वारदात की थी। इसका पता चलने पर पुलिस ने नरीज को धर दबोचा।

तीसरे चरण की धीमी शुरुआत, जागरूकता पर जोर

नई दिल्ली। विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का तीसरा चरण शुरू हो चुका है। इसके तहत 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोग या फिर ऐसे लोग जिनकी उम्र 45 वर्ष है और वे किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं उनको टीका लगाया जा रहा है। इस चरण के पहले दिन उम्मीद के मुताबिक पश्चिमी व दक्षिणी पश्चिमी जिले में टीकाकरण नहीं हो पाया, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पूरा भरोसा है कि आनेवाले दिनों में इनकी संख्या बढ़ेगी और लोग टीकाकरण के लिए आगे आएंगे। पश्चिमी जिला की बात करें तो 45 वर्ष से ज्यादा उम्र के गंभीर बीमारी से पीड़ित 78 लोगों को टीका लगाया गया। रविवार को जिले के अतिरिक्त उपायुक्त धर्मेंद्र कुमार ने टीकाकरण को लेकर बुजुर्गों को आनलाइन माध्यम से जागरूक किया था और इसका असर भी सोमवार को देखने को मिला। जिले के 938 बुजुर्ग टीकाकरण के लिए आगे

आए। इसके अलावा 534 स्वास्थ्यकर्मी व 534 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी टीकाकरण के लिए आगे आए। कुल 2084 लोगों का टीकाकरण किया गया। वहीं दक्षिणी पश्चिमी जिले में कुल 1267 लोगों का टीकाकरण किया गया। इसमें 45 वर्ष से ज्यादा उम्र के गंभीर बीमारी से पीड़ित 40 लोग टीकाकरण के लिए आगे आए। वहीं, पश्चिमी जिला के मुकाबले दक्षिणी पश्चिमी जिले में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोग काफी कम टीकाकरण के लिए आगे आए। सोमवार को सिर्फ 411 बुजुर्गों ने टीका लगवाया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उम्मीद से कम टीकाकरण रहा। लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आशा वर्कर अनियोजित कालोनियों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहीं हैं। सीडीएमओ डा. अंजना कौशल ने बताया कि पहले दिन टीकाकरण कम रहा और सुबह के समय कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन में लोगों को थोड़ी परेशानी हुई पर बाद में स्थिति सामान्य हो गई। सुबह के मुकाबले दोपहर तीन बजे के बाद टीकाकरण के लिए आनेवाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। इस दौरान कई लोगों ने आनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था, जिससे परेशानी हुई। उपायुक्त नेहा बंसल ने कहा कि पहला दिन सामान्य रहा। कहीं कोई परेशानी दर्ज नहीं की गई। हालांकि टीकाकरण उम्मीद से कम रहा। आशा है कि आनेवाले दिनों में इसमें बढ़ोतरी होगी। अभी भी लोगों के मन में कई तरह के सवाल हैं, प्रशासन लोगों के सवालों का जवाब देकर उन्हें जागरूक कर रहा है।

संपादकीय

ऐसी सहमति एक छोटा सा कदम

एक बार फिर पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने और संघर्ष विराम का उल्लंघन न करने का भरोसा दिया है। पिछले दिनों संसद में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया था कि इस साल 28 जनवरी तक संघर्ष विराम के उल्लंघन की कुल 299 घटनाएं हुई हैं, जबकि पिछले वर्ष पाकिस्तान ने 5,133 बार ऐसी हिमाकत की थी, जिसमें हमारे 46 जवान शहीद हुए थे। साल 2019 में तो उसने 3,233 बार सीमा पर हरकतें की थीं। गोलीबारी की इन घटनाओं से नियंत्रण रेखा के करीब रहने वाले लोगों को होती मुश्किलों पर यदि गौर करें, तो दोनों देशों के सैन्य अभियानों के निदेशक जनरलों (डीजीएमओ) के बीच बुधवार-गुरुवार की रात बनी सहमति महत्वपूर्ण जान पड़ती है।

मगर सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान इसकी लाज रखेगा? बीते कुछ साल इस्लामाबाद की मंशा की चुगली करते हैं। इन वर्षों में उसने तमाम तरह से भरोसे की बात कही। नवंबर, 2003 में भी ऐसी ही एक सहमति जताई, जिसके बाद 2008 तक सीमा अमूमन शांत रही और 2012-13 तक तनातनी की हल्की-फुल्की घटनाएं होती रहीं, लेकिन बाद में वर्षों में हर साल हालात खराब ही होते गए। अब तो मानो अति हो गई है। स्थिति जब हाथ से बाहर जाने लगती है, तब दोनों देशों के सैन्य अधिकारी फिर से ऐसे किसी समान धरातल पर लौट आते हैं। डीजीएमओ की ताजा सहमति पहली नजर में यही जान पड़ रही है। संभव है, कुछ दिनों या महीनों तक सीमा पर शांति पसरी रहे, लेकिन बाद में हालात ढाक के तीन पात वाले हो सकते हैं।

सवाल यह है कि आखिर अभी ऐसा क्यों किया गया है? भारत व पाकिस्तान, दोनों के अलग-अलग कारण जान पड़ते हैं। पहली वजह तो निर्विवाद रूप से बिगड़ते हालात हैं, लेकिन दूसरी वजह, राजनीतिक व कूटनीतिक हो सकती है। दरअसल, अमेरिका में बाइडन सरकार के आने के बाद से दक्षिण एशिया में सत्ता के समीकरण बदलते दिख रहे हैं। चूंकि बाइडन प्रशासन काफी खुलकर भारत से अपनी नजदीकी का इजहार कर चुका है, इसलिए मुमकिन है कि चीन ने पाकिस्तान पर दबाव बनाया हो कि वह भी उसकी तरह सुलह-समझौते का प्रयास करे, ताकि भारत की दोस्ती के बहाने अमेरिका उप-महाद्वीप में अपना दखल न बढ़ा सके। संभव यह भी है कि चीन और पाकिस्तान मिलकर किसी नई योजना पर काम कर रहे होंगे, जिसके लिए अभी सीमा पर शांति अनिवार्य हो, ताकि भारत का ध्यान यहां से बंट सके। एक अन्य वजह यह भी हो सकती है कि इस नई सहमति की आड़ में इस्लामाबाद नियंत्रण रेखा पर अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश में हो। सीमा पर खुद को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए भारत को भी कुछ वक्त की दरकार थी। चूंकि दुश्मन देश अपनी रणनीति लगातार बदलता रहा है, इसलिए सीमा की चौकियों को और मजबूत बनाने की जरूरत इन दिनों शिद्दत से महसूस हो रही थी। भारत भी शायद ही यह चाहेगा कि इस मामले में अमेरिका को किसी तरह की दखलंदाजी का मौका मिले। नई दिल्ली हमेशा द्विपक्षीय तरीके से ही सीमा विवाद का हल निकालना चाहती है। संभवतः इन्हीं सब कारणों से भारत के डीजीएमओ ने अपनी सहमति जताई होगी। साफ है, पाकिस्तान को पहले खुद को साबित करना होगा, तभी इस सहमति का कोई अर्थ है। मगर अभी का सूरतेहाल कुछ और बयां कर रहा है।

अभी नियंत्रण रेखा से भले ही घुसपैठ पर अंकुश हो, पर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद के निर्यात की कोशिशों में जुटा है। भारत सरकार ने जब से जम्मू-कश्मीर की सांविधानिक स्थिति में बदलाव किया है, तभी से यह कयास लगाया जा रहा है कि घाटी में आतंकी घटनाओं में तेजी आ सकती है। इस साल तो इसमें खासा बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि दहशतगर्द नए-नए तरीकों से अपनी नापाक योजना को अंजाम दे सकते हैं। यहां मैग्नेटिक बम की भी अच्छी-खासी खेप बरामद की गई है, जबकि इस बम का इस्तेमाल पश्चिम एशिया में काफी ज्यादा होता है। इस तरह के बम को गाड़ी में चिपका दिया जाता है, जो कुछ दूर आगे जाने के बाद विस्फोट कर जाता है। जाहिर है, हमारे यहां आतंकियों के हाथों तक ये बम बिना पाकिस्तान की मदद के नहीं पहुंच सकते। इस माहौल में भला इस सहमति से कितनी उम्मीद की जा सकती है? नाउम्मीदी की एक अन्य वजह इस्लामाबाद की तरफ से होने वाली बयानबाजी भी है। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने कहा था कि क्षेत्र के सुरक्षित भविष्य के लिए शांति-बहाली मौजूदा वक्त की जरूरत है। कुछ इसी तरह के बयान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी दिए थे।

इन बयानों को भारत से दोस्ती की पेशकश के तौर पर देखा गया। मगर इन बयानों से पहले और बाद में कही गई बातों से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख के शब्दों का अर्थ निकाला जाना चाहिए। कही गई बातें कुछ यूं थीं कि भारत यदि कश्मीर मसले पर अपने घुटने टेक देगा, तो उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया जाएगा। इस तरह की बातों से उन हुक्मरानों की नहीं हो सकती, जो अमन या दोस्ती के हिमायती हों। अगर वे वाकई बातचीत करना चाहते, तो अपने बयानों में नरमी लाते। मगर ऐसा होता नहीं दिखा। अलबत्ता, पाकिस्तान का एक मंत्री तो भारत को नक्शे से मिटाने की धमकी देता दिखा। साफ है, दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों में बनी ताजा सहमति एक छोटा-सा कदम है। इससे हम लंबी दूरी तय नहीं कर सकते। कुछ दिनों के बाद हालात जस के तस हो सकते हैं। हमें यह समझना ही होगा कि जब तक पाकिस्तान में इमरान खान सत्ता में हैं, वहां की हुकूमत विश्वास बहाली के लिए भरोसेमंद नहीं है।

प्रवीण कुमार सिंह

इतिहास वो है जो लोककथाओं के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता है

> स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष में प्रवेश को एक अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के काम को सामने लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अलावा अन्य अकादमियों को भी इस काम में आगे आकर पहल करनी चाहिए। इन स्वतंत्रता सेनानियों के लेखन को सामने लाने के लिए साहित्य अकादमी से लेकर देश के विश्वविद्यालयों को भी पहल करनी चाहिए। उनको इतिहास और राजनीति में रुचि रखनेवाले विद्वानों और शोधार्थियों को चिन्हित करके प्राथमिकता के आधार पर ये काम सौंपा जाना चाहिए।

हाल ही में महाराज सुहेलदेव पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इतिहास लेखन को लेकर बेहद महत्वपूर्ण बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी उस टिप्पणी में भारतीय इतिहास लेखन को लेकर भी टिप्पणी की। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 'देश का इतिहास वो नहीं जो भारत को गुलाम बनाने वालों और गुलाम मानसिकता वालों ने लिखा। इतिहास वो है जो लोककथाओं के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता है।' नरेन्द्र मोदी ने इस ओर भी स्पष्ट तौर पर संकेत किया भारत में हमने कई महापुरुषों को अपनी इतिहास की पुस्तकों में भुला दिया। उन्होंने कई उदाहरण भी दिए। भारतीय इतिहास लेखन के संदर्भ में देखें तो अबतक तो यही दिखाई देता है कि हमारे देश का ज्यादातर इतिहास गुलाम बनाने वालों ने या गुलाम मानसिकता वालों ने ही लिखा।

मार्क्सवादियों ने जिस प्रकार से इतिहास लेखन किया उसको देखने के लिए ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की स्थापना के उद्देश्यों की पड़ताल कर ली जाए तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। जब 1972 में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की स्थापना की गई थी तब इसका प्रमुख उद्देश्य था 'वस्तुपरक और वैज्ञानिक इतिहास लेखन को बढ़ावा देना, जिससे देश की राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत की समझ बढ़े व सही मूल्यांकन भी हो सके।'

अपने स्थापना काल से ही भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, मार्क्सवादी इतिहासकारों के कब्जे में चला गया। परिणाम यह हुआ कि भारतीय इतिहास लेखन में छल की प्रविधि का उपयोग होने लगा। यह अनायास नहीं है कि प्राचीन भारत के इतिहास से लेकर मध्यकालीन भारत

और आधुनिक भारत के इतिहास में भारतीय नायकों को परिधि पर रखने की एक कोशिश दिखाई देती है। इतिहास लेखन के लिए औपनिवेशिक और मार्क्सवादी पद्धति अपनाई गई। वही पद्धति जिसने रूस के लेनिन-त्रॉतस्की शासन को लेनिन-स्तालिन शासन बना दिया। रूस के इतिहास से त्रॉतस्की को प्रयासपूर्वक ओझल कर दिया गया। इस पद्धति के अलावा ब्रिटिश इतिहासकारों के लिखे को भी आधार बनाकर लेखन किया गया। लेकिन ब्रिटिश इतिहासकार किस तरह से सोचते हैं इसका एक उदाहरण डेविड वॉशब्रुक की आधुनिक भारत के संबंध में की गई एक टिप्पणी है। इस टिप्पणी से भारत को लेकर उनकी दृष्टि और मानसिकता का संकेत मिलता है। आधुनिक भारत का इतिहास लिखते वक्त वो एक जगह टिप्पणी करते हैं कि '1895 और 1916 के बीच मद्रास की सड़क पर शायद ही कोई ब्रिटिश विरोधी कुत्ता भौंका हो।' अब जब हमारा देश अपनी स्वतंत्रता के पचहत्तरवें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है तो भारत के वस्तुनिष्ठ इतिहास का प्रश्न एक बार फिर से हमारे सबके सामने चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि हम अपने नायकों को याद करें, उनको पुनर्स्थापित करें और आनेवाली पीढ़ियों को उनके बारे में बताएं। आज आत्मनिर्भर भारत की बात हो रही है, उस दिशा में गंभीर काम भी हो रहे हैं। एक बार फिर से स्वदेशी बनाने और उसको अपनाने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन क्या हम आधुनिक भारत में स्वदेशी को लेकर अपना पूरा जीवन होम करनेवाले नायकों को याद कर पा रहे हैं। अंग्रेजों को चुनौती देनेवाले चिदंबरम पिल्लई, जिनको 'स्वदेशी पिल्लई' कहा जाता है, को याद करते हैं? चिंदबरम पिल्लई हमारी धरती का ऐसा साहसी सपूत है जिसने अंग्रेजों को स्वदेशी के नाम पर खुली चुनौती दी थी। तूतीकोरन में 1872 में जन्मे चिदंबरम पिल्लई की कहानी बेहद प्रेरणादायक है, लेकिन मार्क्सवादी इतिहासकारों ने उनको हाशिए पर रखा। चिदंबरम पिल्लई पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने दक्षिण में स्वदेशी का आंदोलन चलाया। उन्होंने 'ब्रिटिश इंडिया स्टीम नेविगेशन शिपिंग कंपनी' के मुकाबले अपनी शिपिंग कंपनी बनाकर उनको चुनौती दी थी। उनकी कंपनी का नाम ही 'स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी' था और उनके जहाज पर स्वदेशी लिखा होता था। उनकी कंपनी की इतनी लोकप्रियता थी ब्रिटिश कंपनी के लोग अपनी जहाज पर यात्रा करनेवालों को कम किराए का प्रलोभन तो देते ही थे, यात्रा करने वालों को मुफ्त में छाता आदि भी देते थे। बावजूद इसके पिल्लई की कंपनी का मुनाफा इतना बढ़ा कि उन्होंने दो और जहाज आयात किए। 'स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी' के बढ़ते कारोबार से अंग्रेज इतना घबरा गए थे कि उन्होंने ब्रिटिश इंडिया नेविगेशन कंपनी के जहाजों पर भी 'स्वदेशी' लिखकर यात्रियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश की थी। इसी समय से दक्षिण भारत में चिदंबरम पिल्लई को लोग 'स्वदेशी पिल्लई' कहने लगे थे। ये समय 1905 के आसपास का था। अब अगर हम पिल्लई की विकास यात्रा को देखते हैं तो उसमें तमिलनाडू में चलनेवाले 'शैव सभाओं' का बड़ा योगदान रहा है।

इन सभाओं में जब पिल्लई सक्रिय हुए थे तब उनके संपर्क का दायरा बढ़ा था और इलाके के बुद्धिजीवियों से उनका संवाद आरंभ हुआ था। इन्हीं सभाओं के सदस्यों के मार्फत उनका परिचय लोकमान्य तिलक के लेखन और कार्य ये हुआ। उन्होंने बाल गंगाधर तिलक को अपना गुरू मान लिया था। वर्षों बाद 1907 में सूरत में आयोजित कांग्रेस की वार्षिक बैठक में पिल्लै अपने गुरू बाल गंगाधर तिलक से मिले थे। 1907 का ये अधिवेशन कई मायनों में ऐतिहासिक रहा था।

इस बैठक में ही कांग्रेस उदारवादी और अतिवादी समूह में विभाजित हुई थी। इस बैठक के बाद ही पिल्लई के काम को कांग्रेस ने मान्यता दी और उनको दक्षिण भारत का प्रभार सौंपा। उसके बाद उनकी सक्रियता बहुत बढ़ गई थी। इस बात के भी उल्लेख मिलते हैं कि जब 1911 में उनकी गिरफ्तारी हुई थी तब उनके एक समर्थक ने उस अंग्रेज अफसर की हत्या कर दी थी जिन्होंने इनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। इन आरोपों के मद्देनजर पिल्लई को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी लेकिन जनता के गुस्से को देखते हुए सजा को छह साल की कैद में बदल दिया गया था।

अब अगर स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर पिल्लई के संघर्षों का आकलन किया जाता तो वो एक राष्ट्रीय नायक के तौर पर बाद की पीढ़ियों में जाने जाते। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उनपर 1961 में तमिल भाषा में एक फिल्म जरूर बनी लेकिन उनके लेखन को, उनके योगदान को, उनके संघर्षों को वो स्थान नहीं मिला जिसके वो अधिकारी हैं। स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष में प्रवेश को एक अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के काम को सामने लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अलावा अन्य अकादमियों को भी इस काम में आगे आकर पहल करनी चाहिए। इन स्वतंत्रता सेनानियों के लेखन को सामने लाने के लिए साहित्य अकादमी से लेकर देश के विश्वविद्यालयों को भी पहल करनी चाहिए। उनको इतिहास और राजनीति में रुचि रखनेवाले विद्वानों और शोधार्थियों को चिन्हित करके प्राथमिकता के आधार पर ये काम सौंपा जाना चाहिए।

प्रदूषण रोकने के उपाय में करने होंगे बदलाव, 2020 में दिल्ली में गई 54 हजार लोगों की जान

दिल्ली समेत देश के अधिकांश महानगरों में वायु प्रदूषण की समस्या निरंतर बढ़ रही है। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2020 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में 1.20 लाख लोगों की मौत हुई। इस दौरान अकेले दिल्ली में ही लगभग 54 हजार लोगों की जान गई है। हालांकि वायु प्रदूषण से निबटने के बारे में निरंतर चर्चा होती रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कुछ ठोस नहीं हो पाया है, लिहाजा उसके अपेक्षित परिणाम नहीं आए हैं।

यदि हम बात दिल्ली में पराली जनित वायु प्रदूषण की ही करें तो हाल ही में भारत सरकार के पर्यावरण और वन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बताया कि पंजाब में पिछले साल की तुलना में कहीं ज्यादा पराली जलाई गई तो हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कुछ कम तो हुई, लेकिन इतनी नहीं कि वायु गुणवत्ता सुधर जाती। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि फसल अवषेश या पराली के निस्तारण हेतु किसान कल्याण विभाग ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 2018 से 2020-21 की अवधि में एक योजना लागू की है जिसका पूरा धन केंद्र दे रहा है। इसके लिए केंद्र ने कुल 1,726.67 करोड़ रुपये जारी किए जिसका सर्वाधिक हिस्सा पंजाब को 793.18 करोड़ दिया गया। विडंबना है कि इसी राज्य में 2020 के दौरान पराली जलाने की 76,590 घटनाएं सामने आईं, जबकि 2019 में ऐसी 52,991 घटनाएं हुई थीं। जाहिर है कि पराली जलाने की घटना में इस राज्य में 44.5 फीसद का इजाफा हुआ। हरियाण में जहां 2019 में पराली जलाने की 6,652 घटनाएं हुई थीं, वहीं 2020 में पांच हजार के करीब रह गई।

दिल्ली की आबोहवा जैसे ही जहरीली हुई तो पंजाब-हरियाणा के खेतों में किसान को पराली जलाने पर ठीकरा फोड़ा जाने लगा। हालांकि यह विज्ञान आधारित तथ्य है कि राजधानी के स्मॉग में पराली दहन का योगदान बहुत कम है, लेकिन यह भी बात जरूरी है कि खेतों में जलने वाला अवशेष असल में किसान के लिए भी नुकसानदेह है। पराली का धुआं उनकी सेहत का शत्रु है, खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति कम करने वाला है। वैसे खेतों में फसल अवशेष जलाना गैरकानूनी है, फिर भी धान उगाने वाले ज्यादातर किसान फसल अवशेषों को उखाड़ने के बजाय वहीं जला देते हैं।

कानून की बंदिश और सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि के बावजूद पराली के निबटान में बड़े खर्च और दोनों फसलों के बीच बहुत कम समय के चलते बहुत से किसान अभी भी नहीं मान रहे। उधर किसानों का पक्ष है कि पराली को मशीन से निबटाने पर प्रति एकड़ कम से कम पांच हजार रुपये का खर्च आता है। फिर अगली फसल के लिए इतना समय होता नहीं कि गीली पराली को खेत में पड़े रहने दिया जाए।

विदित हो हरियाणा-पंजाब में कानून है कि धान की बोआई 10 जून से पहले नहीं की जा सकती है। इसके पीछे धारणा है कि भूजल का अपव्यय रोकने के लिए मानसून आने से पहले धान न बोया जाए, क्योंकि धान की बोआई के लिए खेत में पानी भरना होता है। फिर उसे काटने के बाद गेहूं की फसल लगाने के लिए किसान के पास इतना समय नहीं होता है कि वह फसल अवशेष का निबटान सरकार के कानून के मुताबिक करे। जब तक हरियाणा-पंजाब में धान की फसल का रकबा कम नहीं होता, या खेतों में बरसात का पानी सहेजने के उपाय नहीं किए जाते और उसी से धान की बोआई 15 मई से करने की अनुमति नहीं मिलती, पराली संकट का समाधान मुश्किल है। हाल ही में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेट्रोलॉजी, उत्कल यूनिवर्सिटी और नेशनल एटमॉस्फियर रिसर्च लैब के विज्ञानियों के संयुक्त समूह द्वारा जारी रिपोर्ट बताती है कि यदि खरीफ की बोआई एक महीने पहले कर ली जाए तो राजधानी को पराली के धुएं से बचाया जा सकता है। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार यदि एक महीने पहले किसान पराली जलाते भी हैं तो हवा तेज चलने के कारण घुटन के हालात नहीं बनते और हवा के वेग में यह धुआं बह जाता। यदि पराली का जलना अक्टूबर-नवंबर के स्थान पर सितंबर में हो तो स्मॉग बनेगा ही नहीं।

कहने को राज्य सरकारें मशीनें खरीदने पर छूट दे रही हैं, परंतु किसानों का एक बड़ा वर्ग सरकार की सब्सिडी योजना से भी नाखुश है। उनका कहना है कि पराली को नष्ट करने की मशीन बाजार में करीब एक लाख रुपये में उपलब्ध है, लेकिन यदि सरकार से सब्सिडी वाली मशीन भी डेढ़ लाख से अधिक की मिलती है। जाहिर है सब्सिडी उनके लिए बेमानी है। पंजाब व हरियाणा सरकारों ने पिछले कुछ वर्षो में पराली को जलाने से रोकने के लिए सीएचसी यानी कस्टम हायरिंग केंद्र भी खोले हैं। यह मशीन बैंक है, जो किसानों को उचित दाम पर मशीन किराये पर देती है। लेकिन किसान यहां से मशीन इसलिए नहीं लेता, क्योंकि उसका खर्चा इन मशीनों को किराये पर प्रति एकड़ छह हजार रुपये तक बढ़ जाता है। जब सरकार पराली जलाने पर 2,500 रुपये का जुर्माना लगाती है तो फिर किसान छह हजार रुपये क्यों खर्च करेगा? यही नहीं, इन मशीनों को चलाने के लिए कम से कम 75 हॉर्सपावर के ट्रैक्टर की जरूरत होती है, जिसके लिए अगल से खर्च करना पड़ता है। जाहिर है कि किसान को पराली जला कर जुर्माना देना ज्यादा सस्ता और सरल लगता है। ऐसे में जरूरत है माइक्रो लेवल पर किसानों के साथ मिल कर उनकी व्यावहारिक दिक्कतों को समझते हुए इसके समाधान के स्थानीय उपाय तलाशे जाएं।

एलओसी पर शांति की उम्मीद

भारत और पाकिस्तान की सेनाओं की ओर से संयुक्त घोषणापत्र के रूप में गुरुवार को आई यह खबर एकबारगी सबको चौंका गई कि दोनों पक्ष एलओसी पर युद्धविराम समझौते का सख्ती से पालन करने पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों के बीच युद्धविराम का समझौता 2003 में ही हुआ था। कमोबेश इसका पालन भी हो रहा था। लेकिन फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद जो हालात बदले, तो फिर युद्धविराम समझौता मानो बेमानी ही हो गया। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कुछ ही दिनों पहले लोकसभा में बताया था कि पिछले तीन वर्षों के दौरान एलओसी पर युद्धविराम उल्लंघन की 10752 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 72 सुरक्षाकर्मी और 70 आम नागरिक मारे गए।

निश्चित रूप से सीमा पर लगातार तनाव की यह स्थिति दोनों पक्षों के लिए नुकसानदेह थी। काफी समय से यह जरूरत महसूस की जा रही थी कि प्रत्यक्ष नहीं तो परोक्ष बातचीत के जरिए ही सही, पर सीमा पर तैनात दोनों देशों के सैनिकों में न्यूनतम विश्वास बहाल किया जाए, ताकि दोनों तरफ जान माल के अनावश्यक नुकसान से बचा जा सके। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस सहमति को डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) लेवल की बातचीत का ही नतीजा बताया गया है, लेकिन जानकारों के मुताबिक बैकडोर चैनल की महीनों चली बातचीत के बाद ही यह संभव हो पाया है। कहीं न कहीं यह इस तथ्य की भी भूमिका इसमें रही है कि दोनों ही देशों को अपनी दूसरी सीमाओं पर भी लगातार ध्यान देना जरूरी लग रहा था। भारत जहां लद्दाख बॉर्डर पर चीनी सेना की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए था, वहीं पाकिस्तान के सामने अमेरिकी सेना की वापसी की चर्चा के बीच अफगानिस्तान सीमा पर चुनौतियां बढ़ती जा रही थीं। बहरहाल, भारत के लिए यह सचमुच राहत की बात है कि जहां चीनी सेना के साथ एक स्तर की सहमति के बाद कुछ जगहों से दोनों सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया शुरू हुई है, वहीं एलओसी पर भी शांति स्थापित होने की संभावना जगी है। हालांकि इसका यह कतई मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच विवाद के बिंदु कम हो गए हैं। जैसा कि भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी साफ किया कि सभी महत्वपूर्ण मसलों पर हमारा रुख अपरिवर्तित है। ऐसे में यह सवाल उठना भी लाजिमी है कि आखिर इस सहमति की आयु को लेकर आश्वस्त कैसे हुआ जा सकता है। क्या गारंटी है कि फिर कोई आतंकी गुट कोई बड़ा कांड करके इस सहमति की धज्जियां उड़ने वाले हालात नहीं बना देगा? जाहिर है कि इसका पॉजिटिव जवाब पाकिस्तान सरकार का आतंकी संगठनों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन ही हो सकता है। तभी आतंकी तत्वों पर लगाम लगेगी और वे दोनों देशों के संबंधों को बिगाड़ने के अपने मंसूबों से तौबा करेंगे।

दुनिया भर में मनमानी कर रहीं बेलगाम इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर लगाम लगाना समय की मांग

> ट्विटर ने अमेरिका में संसद पर हमला करने वालों के समर्थकों को तो स्वतः संज्ञान लेकर प्रतिबंधित कर दिया, लेकिन भारत में लाल किले पर हमला करने वालों के सहयोगियों-समर्थकों पर पाबंदी लगाने से इन्कार कर दिया। जब भारत सरकार ने उसे ऐसा करने को कहा तो उसने आनाकानी का परिचय दिया। इससे उसके पक्षपाती और दुराग्रही होने का ही पता चलता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इंटरनेट मीडिया पर लगाम लगाने में देर न की जाए। कई देश इसी दिशा में कार्यरत हैं। भारत को भी तेजी से सक्रिय होना चाहिए, क्योंकि इंटरनेट मीडिया कंपनियों की निरंकुशता किसी के भी हित में नहीं।

कृषि कानून विरोधी आंदोलन के नाम पर देश की राजधानी में गणतंत्र दिवस पर जो उत्पात मचाया गया, उसे भूला नहीं जाना चाहिए। इस तथाकथित किसान आंदोलन के दौरान हुई व्यापक हिंसा ने यही साबित किया कि इसे कुछ देश विरोधी ताकतों का भी समर्थन हासिल है। इसकी पुष्टि तब हुई जब किसानों के समर्थन में पॉप गायिका रिहाना और स्वीडन की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने भी ट्वीट किए। ग्रेटा ने अपने ट्वीट के साथ जो टूलकिट शेयर की, उसने इसका भंडाफोड़ कर दिया कि इस आंदोलन को विदेश में बैठे खालिस्तानी न केवल हवा दे रहे हैं, बल्कि भारत को बदनाम करने का अभियान भी चला रहे हैं।

यह टूलकिट खालिस्तानियों के इशारे पर तैयार की गई। इसे तैयार करने में जिन लोगों ने मदद की, उनमें बेंगलुरु की दिशा रवि, मुंबई की निकिता जैकब और पुणे के शांतनु मुलुक का नाम आया। इनमें दिशा की गिरफ्तारी हो गई है। यह आश्चर्य की बात है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानियों ने दिशा, निकिता और शांतनु को अपने साथ कैसे मिला लिया और उन्होंने भी उनका साथ देना क्यों स्वीकार किया? खुद को पर्यावरण कार्यकर्ता बताने वाले ये तीनों पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन की आड़ में सक्रिय कनाडा के खालिस्तानियों की मदद को तैयार थे, इसका पता इससे चलता है कि इन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उनसे बात भी की। दिशा की ग्रेटा से बातचीत का विवरण बताता है कि उसे अहसास था कि वह किसी गलत काम में लिप्त है। इसीलिए उसने ग्रेटा से टूलकिट हटाने को कहा।

टूलकिट मामले की छानबीन कर रही दिल्ली पुलिस की अब तक की जांच से यह स्पष्ट है कि पंजाब के किसानों को भड़काने, मोदी सरकार को नीचा दिखाने और भारत को बदनाम करने के लिए इंटरनेट मीडिया का जमकर बेजा इस्तेमाल किया गया। यह किसी से छिपा भी नहीं कि ट्विटर, फेसबुक, वाट्सएप आदि के जरिये कृषि कानून विरोधी आंदोलन को किस तरह भड़काया जा रहा है। गणतंत्र दिवस की घटना के बाद बदनाम हुआ यह आंदोलन लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है, लेकिन उसकी अगुआई करने वाले अपनी यह जिद छोड़ने को तैयार नहीं कि तीन नए कृषि कानूनों को रद किया जाए और एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानून बने। इस आंदोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे पंजाब के किसान पराली जलाने पर कार्रवाई के प्रविधान वाले कानून के भी विरोध में हैं।

आखिर ग्रेटा थनबर्ग या फिर दिशा, निकिता और शांतनु कैसे पर्यावरण हितैषी हैं कि यह चाहते हैं कि किसानों को पराली जलाने की छूट मिले? पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों में किसानों की ओर से पराली जलाया जाना भारत के पर्यावरण के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। ग्रेटा, दिशा, निकिता, शांतनु को तो पराली जलाने के विरोध में आंदोलन खड़ा करना चाहिए था। उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? क्या इसलिए, क्योंकि ये पर्यावरण की चिंता करने वाले नहीं, बल्कि वैसे आंदोलनजीवी हैं, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री ने संसद में किया था। आंदोलनजीवी सदैव आंदोलनों की ताक में रहते हैं और यदि वह सरकार के खिलाफ हो रहा होता है तो उसमें कूद पड़ते हैं। मोदी सरकार के खिलाफ ऐसे कई आंदोलन चलाए गए हैं, जिनमें आंदोलनजीवियों की खासी भूमिका रही।

दूसरों के आंदोलन के सहारे अपना स्वार्थ सिद्ध करने वाले आंदोलनजीवी तत्व इंटरनेट मीडिया का बेजा इस्तेमाल करने के साथ झूठी खबरों और अफवाहों का भी सहारा लेते हैं। देश में ऐसे कई गैर सरकारी संगठन हैं, जो पर्यावरण या मानवाधिकार की आड़ में भारत को नुकसान पहुंचाने या फिर उसकी छवि खराब करने वाले आंदोलन चलाते रहते हैं। कई बार इनके पीछे उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों का भी हाथ होता है, जो भारत की प्रगति से चिढ़ते हैं। इन सबकी एक बड़ी ताकत है इंटरनेट मीडिया। यह मीडिया किस कदर बेलगाम हो गया है, इसका प्रमाण है सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्विटर और फेसबुक को उनकी मनमानी के खिलाफ नोटिस जारी किया जाना और उन्हें फटकार लगाना।

यह अच्छा है कि भारत सरकार इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर लगाम लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यह समय की मांग भी है, क्योंकि ये कंपनियां बेलगाम होती जा रही हैं। ये अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में दुनिया भर में मनमानी करने में लगी हुई हैं। भारत सरकार जहां इंटरनेट मीडिया यूजर्स के अधिकारों को मजबूत करने जा रही है, वहीं ऐसे उपाय भी करने जा रही है, जिससे किसी भड़काऊ सामग्री को जल्द हटाया जा सके। ऐसे उपाय शीघ्र किए जाने चाहिए और वे कारगर भी होने चाहिए, क्योंकि इंटरनेट मीडिया कंपनियां मुसीबत बनती जा रही हैं। ये कंपनियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में बैर भाव बढ़ाने, लोगों को गुमराह करने और हिंसा भड़काने वाले तत्वों को भी संरक्षण देने की नीति पर चल रही हैं। कई बार तो वे अतिवादी और आतंकी तत्वों को भी प्रश्रय देती हैं। उनकी इस नीति से आज पूरी दुनिया तंग है।

इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि इंटरनेट मीडिया फर्जी खबरों का सबसे बड़ा स्रोत और गढ़ बन गया है। उसके कारण न केवल सार्वजनिक विमर्श दूषित हो रहा है, बल्कि ध्रुवीकरण भी बढ़ रहा है। वास्तव में अब इनसे लाभ कम, हानि ज्यादा हो रही है। यदि इन कंपनियों पर लगाम नहीं लगी तो सरकारों के लिए शासन चलाना और खासकर कानून-व्यवस्था कायम रखना एवं समाज में सद्भाव बनाए रखना मुश्किल होगा। इंटरनेट मीडिया कंपनियां कभी तो अतिवादी तत्वों को अपने स्तर पर ही प्रतिबंधित कर देती हैं और कभी यह कहने लगती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकतीं, क्योंकि उनका काम तो लोगों को अपनी बात कहने की सुविधा देना भर है। ट्विटर ने अमेरिका में संसद पर हमला करने वालों के समर्थकों को तो स्वतः संज्ञान लेकर प्रतिबंधित कर दिया, लेकिन भारत में लाल किले पर हमला करने वालों के सहयोगियों-समर्थकों पर पाबंदी लगाने से इन्कार कर दिया। जब भारत सरकार ने उसे ऐसा करने को कहा तो उसने आनाकानी का परिचय दिया। इससे उसके पक्षपाती और दुराग्रही होने का ही पता चलता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इंटरनेट मीडिया पर लगाम लगाने में देर न की जाए। कई देश इसी दिशा में कार्यरत हैं। भारत को भी तेजी से सक्रिय होना चाहिए, क्योंकि इंटरनेट मीडिया कंपनियों की निरंकुशता किसी के भी हित में नहीं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों ने बिहार विधानसभा के बाहर रसोई गैस के मूल्य वृद्धि के खिलाफ विरोध करते हुए ।

हाथरस में बेटी से छेड़छाड़ की शिकायत पर पिता को गोलियों से भूना, सीएम योगी का आदेश- शोहदों पर लगे रासुका

हाथरस । उत्तर प्रदेश का हाथरस जिला फिर चर्चा में है। जिले के सासनी क्षेत्र के गांव नौजरपुर में सोमवार शाम बेटी से छेड़छाड़ की शिकायत करने वाले पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि आरोपित छेड़छाड़ का केस वापस लेने के लिए पीड़ित परिवार पर दबाव बना रहा था। मृतक की बेटी ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इनमें से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वारदात में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने के भी निर्देश दिए हैं। वारदात का मुख्य आरोपित गौरव शर्मा समाजवादी पार्टी का नेता बताया जा रहा है।

हाथरस के सासनी क्षेत्र के गांव नौजरपुर में सोमवार शाम ताबड़तोड़ फायरिंग कर खेत में आलू की खोदाई कर रहे 52 वर्षीय किसान अमरीश शर्मा की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि खेत में कुछ मजदूर आलू की बिनाई में लगे थे, तभी आरोपित गौरव शर्मा, रोहिताश शर्मा, निखिल शर्मा व ललितेश शर्मा अपने दो अन्य साथियों के साथ खेत पर हथियारों से लैस होकर पहुंचे। यहां उन्होंने दो साल पहले अमरीश शर्मा के परिवार की एक लड़की की ओर से दर्ज कराए गए छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौते के लिए धमकाते हुए फायरिंग कर दी। कई राउंड फायरिंग में अमरीश शर्मा गोली लगने से वहीं गिर पड़े। आरोपित कार से भाग गए। पुलिस की मदद से अमरीश को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उन्हें कई गोली लगी है।

दिनदहाड़े हत्या की सूचना पर सीओ सिटी रुचि गुप्ता, इंस्पेक्टर गौरव सक्सेना ने मौके पर पहुंचे। मृतक की बेटी ने गौरव शर्मा मूल निवासी गांव सोंगरा, थाना जवां (अलीगढ़) समेत छह लोगों को नामजद करते हुए केस दर्ज कराया है। गौरव के पिता श्रावस्ती जिले में कृषि विभाग में कार्यरत हैं। गौरव परिवार के साथ वहीं रहता था। नौजरपुर में अपनी मौसी के यहां उसका आना-जाना था। गौरव के खिलाफ ही मृतक के परिवार की एक लड़की ने छेड़छाड़ का मुकदमा 16 जुलाई, 2018 को दर्ज कराया था, जिसमें गौरव जेल भी गया था। दोनों पक्षों में तभी से रंजिश चली आ रही थी।

आरोपित गौरव शर्मा मूलरूप से अलीगढ़ का निवासी - दो साल पुरानी रंजिश में पहले दोनों पक्षों की महिलाओं में कहासुनी हुई थी। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग से किसान अमरीश शर्मा को मौत के घाट उतार दिया गया। आरोपित गौरव शर्मा मूलरूप से गांव सोरखा, थाना जवां, अलीगढ़ का रहने वाला है। वर्तमान में श्रावस्ती में अपने परिवार के साथ रहता है। श्रावस्ती में उसके पिता मुनेश कुमार शर्मा कृषि विभाग में कार्यरत हैं। सासनी के गांव नौजरपुर में उसकी मौसी रहती हैं। इसी लिए गौरव का यहां आना-जाना लगा रहता था।

सुबह हुई कहासुनी, शाम को ले ली जान - बताया जा रहा है कि ढाई साल पहले मृतक के परिवार की एक युवती से आरोपित गौरव की शादी तय हुई थी। बाद में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस मामले में युवती की ओर से छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में गौरव शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसको लेकर वह 15 दिन के लिए जेल गया था। जमानत पर जेल से बाहर आया था। सोमवार को युवक अपनी मौसी के घर पत्नी को लेकर आया था। सुबह आरोपित की मौसी व पत्नी मंदिर गई हुई थी। वहीं अमरीश के परिवार की युवती भी आई थी। वहां दोनों पक्षों की महिलाओं में कहासुनी हो गई थी। शाम तक घटना ने बड़ा रूप ले लिया। मृतक की बेटी के अनुसार गौरव ने अपने साथियों के साथ उसके पिता पर गोलियां बरसाकर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने दिखाई होती सजगता तो न होती वारदात - गांव में दिनदहाड़े किसान की रंजिशन हत्या हो जाने से कोहराम मचा हुआ है। मृतक के स्वजन का आरोप है कि सुबह झगड़ा हो जाने के बाद आरोपित ने देख लेने की धमकी दी थी। धमकी दिए जाने के बाद अमरीश ने कई बार इलाका पुलिस को अवगत कराया, लेकिन पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई और टालमटोल रवैया अपनाते हुए 112 नंबर पर कॉल करने की बात स्वजन से कही। हत्याकांड के बाद मृतक की पत्नी पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रही थी।

संक्षिप्त खबर

सासाराम नप की मुख्य पार्षद समेत तीन पर प्राथमिकी से हड़कंप, इतने रुपये के गबन का है आरोप

सासाराम (रोहतास)। फर्जी तरीके से योजना की राशि करीब 48 लाख रुपये गबन करने के आरोप में नगर परिषद की मुख्य पार्षद कंचन देवी, पूर्व कार्यपालक अधिकारी कुमारी हिमानी और कनीय अभियंता अरुण कुमार सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराए जाने से हड़कंप मच गया है। डीएम धर्मेंद्र सिंह के आदेश के बाद इस मामले में सोमवार को ईओ अभिषेक आनंद ने नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस कार्रवाई के बाद कुछ और लोगों की गर्दन फंसना तय माना जा रहा है। ऐसे लोग बेचैन हो गए हैं।

मामला यह है कि वार्ड संख्या 11 में 14 वीं वित्त आयोग की राशि से पांच व नगर निधि से दो योजनाएं पूरी कराई गई थीं। इन योजनाओं में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर तत्कालीन डीएम पंकज दीक्षित ने इसे गंभीरता से लिया। एडीएम लालबाबू सिंह की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी का गठन किया गया। जांच टीम ने मामले की जांच के बाद डीएम को सौंपी गई रिपोर्ट में योजनाओं में गबन की तस्दीक कर दी। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्णित योजनाओं का कार्य पूर्व में कई वर्ष पूर्व अन्य मद से कराया जा चुका था। मापी पुस्तिका में इस कार्य को नगर परिषद की पूर्व ईओ व कनीय अभियंता की मिलीभगत से वर्तमान योजनाएं बताकर उसका भुगतान करा लिया गया। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह मामला सीधे तौर पर गबन का है।

जांच टीम ने सभी संबंधित दोषी व्यक्तियों के खिलाफ नियामनुकूल कार्रवाई करने की अनुशंसा भी की थी।जांच रिपोर्ट आने के बाद डीएम धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले में सासाराम नगर परिषद के ईओ को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। उसी मामले में यह प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। नगर थानाध्यक्ष कामख्या नारायण सिंह ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि भी की है। बताते चले कि इसके पूर्व में बुडको के सहायक अभियंता ने फर्जी हस्ताक्षर बनाकर योजनाओं की राशि गबन करने के मामले में पूर्व ईओ कुमारी हिमानी व मुख्य पार्षद कंचन देवी पर मामला दर्ज कराया था।

चार सौ घर जले, गांव में सब कुछ हो गया बर्बाद, विचलित करने वाली हैं तस्वीरें

भागलपुर । भागलपुर के सुल्तानगंज प्रखंड के कसमबाद गांव में भीषण आग लग गई है। इस घटना के गांव के सभी घरों के जल जाने का अनुमान है। इस गांव में चार सौ ज्यादा घर हैं। मुखिया अरविंद मंडल ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कसमाबाद गांव सभी घर के जल जाने की सूचना है। यह गांव बैकठपुर दुधेला पंचायत में पड़ता है। यह दियारा क्षेत्र है। गंगा तट पर यह गांव स्थित है। जानकारी के अनुसार बीजो मंडल के फूस के घर में धान उबाला जा रहा था। इसी दौरान हवा के तेज हो जाने से चिंगारी से प्लास्टिक में आग लग गई। प्लास्टिक से घेरकर धान उबाला जा रहा था ताकि हवा का प्रवाह रोका जा सके। प्लास्टिक के आग लगने से देखते ही देखते फूस के घर में आग लग गई। तेज हवा और दियारा इलाका होने के कारण एक घर से दूसरे घर में आग फैलता गया। गांव के सभी घर फूस के है। घटना में चार से ज्यादा घरों के पूरी तरह जल जाने का अनुमान है। इस घटना में कई मवेशी झुलसकर मर गए। धान सहित सभी अन्न जलकर नष्ट हो गए हैं। लोगों ने अपने-अपने घरों से जहां तक संभव हो सका घर से बाहर निकाला। कुछ ने लकड़ी के बने सामान को गंगा में फेंक दिया, ताकि उसे बचाया जा रहा है। देखते ही लोगों ने सौ से ज्यादा अनाज से भरा ड्रम गंगा में प्रवाहित कर दिया है। घटना की सूचना मिलने पर अकबरपुर पुलिस वहां पहुंची। अभी तक तीन अग्निशमन वाहन के पहुंचने की सूचना है। तीन घंटे के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया गया है। आग की लपटें इतनी तेज थी कि कोई अपना घर नहीं बचा सका। ज्यादातर लोगों के सभी समान जल गए। कुछ लोगों ने जैसे-तैसे चौकी और बिछावन निकाला। सूचना पर राजस्व कर्मचारी अमरेंद्र कुमार अमर वहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि करीब चार सौ घर के जल जाने का अनुमान है। नारायणपुर अंचलाधिकारी अजय कुमार सरकार ने बताया कि भौतिक सत्यापन करने के बाद ही स्पष्ट होगा। काफी संख्या में अधिकारी और पुलिस बल वहां मौजूद हैं।

लड़कियों को पीटकर ताकत दिखा रहा ये पुलिस वाला... युवतियों ने लगाए संगीन आरोप...

रांची । राजधानी रांची के बरियातू इलाके के मंडा बगीचा के पास जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष की लड़कियों ने पुलिसकर्मी सहित उसके परिवार वालों पर मारपीट का आरोप लगाया है। जिसमें बताया है कि दिलीप तिर्की नाम के पुलिसकर्मी सहित अन्य ने मारपीट की है। इसे लेकर आलोंका तिर्की की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि दूसरे पक्ष से दिलीप तिर्की ने भी बरियातू थाने में मारपीट का आरोप लगा शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दिए गए आवेदन पर जांच शुरू कर दी है। रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने सोमवार को एक किशोरी को बरामद किया है। रांची के बेड़ो की रहने वाली यह किशोरी रेलवे स्टेशन पर इधर-उधर भटक रही थी। उससे पूछा गया तो उसने जवाब देने में आनाकानी की। बाद में बताया कि वह घर से नाराज होकर आ गई है। इसके बाद आरपीएफ ने परिजनों को बुलाया और किशोरी को उनके हवाले कर दिया।

रांची रेल मंडल के कार्मिक विभाग में कार्यरत एक रेल कर्मी की हफ्ते भर पहले कोरोना से मौत हो गई थी। अब उनकी पत्नी और बेटा भी कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यही नहीं, मृत रेल कर्मी के भाई भी कोरोना पाजिटिव हैं। उनका आर्किड में इलाज चल रहा है। रेल कर्मी की बहन की रविवार को रिम्स में कोरोना से मौत हो गई थी।

इस तरह, कोरोना की वजह से रेल कर्मी का पूरा परिवार परेशाान है। रेल कर्मी की मां का भी पखवारा भर पहले सदर अस्पताल में मौत हो गई थी। रेल कर्मी की मौत के बाद रांची रेल मंडल के कर्मियों में काफी डर का माहौल है। रेलवे ने आदेश जारी कर सभी रेल कर्मियों को कोविड के दिशा निर्देश का पालन करने का निर्देश दिया है। साथ ही रांची रेल मंडल में चौकसी बढ़ा दी गई है।

पीएम नरेंद्र मोदी की होर्डिंग पर कालिख पोतने वाले पूर्व सांसद के पौत्र को तलाश रही पुलिस

गोरखपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होर्डिंग से बदसुलूकी के आरोप में गिरफ्तार चार कांग्रेसियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश करेगी। पूर्व सांसद स्व. नरसिंह नारायण पांडेय के पौत्र रोहन पांडेय समेत नामजद 10 कांग्रेसियों की तलाश में कोतवाली पुलिस छापेमारी कर रही है।

प्रधानमंत्री की होर्डिंग से सोमवार को कांग्रेसियों ने की थी बदसुलूकी

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ महानगर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार दोपहर एक बजे बेतियाहाता स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने प्रदर्शन किया था। कांग्रेसियों ने पंप के सामने दो घंटे धरना दिया था। धरना की जानकारी के बाद सिटी मजिस्ट्रेट अभिनव रंजन श्रीवास्तव बेतियाहाता पहुंचे। उन्होंने कांग्रेसियों से बात की। कांग्रेसियों ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी रोकने और कीमतों में कमी की मांग की। सिटी मजिस्ट्रेट ने उनसे ज्ञापन मांगा तो कांग्रेसियों ने मौखिक मांग सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया। कांग्रेसियों की मांग को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन देकर सिटी मजिस्ट्रेट ने धरना खत्म करा दिया। इस बीच युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और सदस्य पेट्रोल पंप के सामने पहुंच गए। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

आरोप है कि शाम को युवा कांग्रेस के कुछ सदस्य पेट्रोल पंप पर लगे प्रधानमंत्री की होर्डिंग के पास पहुंच गए और जला मोबिल फेंकने लगे। कुछ कांग्रेसियों ने मोबिल होर्डिंग पर पोत दिया और भाग निकले। इसकी जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और होर्डिंग को साफ कराया। इसके बाद पुलिस ने महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को अलहदादपुर स्थित पार्टी कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों से यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अभिजीत पाठक, अनुसूचित विभाग के प्रदेश सचिव अमित कनौजिया, प्रदेश महासचिव सुमित पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। सभी को पूरी रात कोतवाली थाने के लाकअप में रखा गया।

घटनास्थल पर मिले आधा दर्जन कारतूसों के खोखे - घटनास्थल पर पुलिस की जांच पड़ताल में स्पष्ट हो गया है कि आरोपितों ने कई राउंड फायरिंग की थी। घटनास्थल से आधा दर्जन खाली कारतूस के खोखे मिले हैं, जिनमें तीन खोखे 315 बोर व दो पिस्टल के कारतूस शामिल हैं, जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

सीएम में अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर योगी सरकार सख्त, माहभर में 1449 लोग गिरफ्तार

लखनऊ । जहरीली शराब से आए दिन हो रही मौते के मामले सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश की सरकार बेहद सख्त रूख अपना रही है। अवैध शराब का कारोबार रोकने के लिए आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार चल रही है। हर जिले में छापेमारी करके अवैध शराब बनाने व तस्करी करने वालों की धरपकड़ की गई। इसके तहत फरवरी महीने में 1449 लोगों को गिरफ्तार करके 63 वाहन जब्त किए गए। अभियान में 1,52,272 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। जबकि शराब में प्रयुक्त होने वाला 4,94,414 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट कराया गया। अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश के कई जिलों में बड़ी कार्रवाई की गई। इसके तहत मुजफ्फरनगर में एक कार से 23 पेटी नकली तोहफा ब्रांड की देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। आगरा में टोल प्लाजा पर चेकिंग के दौरान एक कार से 192 पौव्वा अवैध देशी शराब के सौ दो लोग गिरफ्तार हुए।

वहीं, बागपत में एक कार से 10 पेटी अवैध शराब के साथ दो लोग गिरफ्तार हुए। गाजियाबाद में एक गाड़ी से हरियाणा में बनी 10 पेटी अवैध शराब के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार किए गए। बुलंदशहर में एक कंटेनर से अरुणाचल प्रदेश में बनी 1100 पेटी विदेशी शराब के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार एटा में तीन वाहनों से सात सौ पेटी विदेशी शराब के साथ चार लोग गिरफ्तार किए गए। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अवैध शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। तय दाम पर शराब न बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में फर्जी बेसिक शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई, 812 की सेवा समाप्ति और एफआइआर कराने के आदेश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में तैनात 812 शिक्षकों की सेवा समाप्त करते हुए उनके विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराने के आदेश हुए हैं। इन शिक्षकों का आगरा विश्वविद्यालय की बीएड डिग्री के आधार पर चयन हुआ था, पिछले दिनों हाई कोर्ट ने उनकी डिग्री को फर्जी करार दिया था। परिषद सचिव प्रताप सिंह बघेल ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया है कि नियमानुसार कार्रवाई करें। साथ ही यदि इन शिक्षकों का दूसरे जिले में स्थानांतरण हो गया है तो संबंधित बीएसए को सूचित करें। हाई कोर्ट ने विशेष अपील किरनलता सिंह व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में 26 फरवरी को परिषदीय विद्यालयों में तैनात 814 शिक्षकों की बीएड डिग्री को फर्जी करार दिया था। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव प्रताप सिंह बघेल ने उसी के अनुपालन के लिए आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि दो अभ्यर्थियों अनीता मौर्या पुत्री भोला सिंह टीआरके कालेज अलीगढ़ व विजय सिंह पुत्र हरि सिंह केआरटीटी कालेज मथुरा को छोड़कर अन्य 812 अभ्यर्थियों की डिग्री फर्जी होने की पुष्टि की गई है। जिलों में कार्यरत इन शिक्षकों को चिन्हित करके नियमानुसार सेवा समाप्ति व एफआइआर की कार्रवाई की जाए।

सात अभ्यर्थी एक माह तक दे सकेंगे सेवा : हाई कोर्ट ने सात अभ्यर्थियों के संबंध में उपलब्ध कराए गए अभिलेखों के आधार पर यूनिवर्सिटी व राज्य को आदेश की तारीख से एक माह का समय पुनर्विचार के लिए दिया है। इनमें सुरेंद्र कुमार पुत्र मंजू लाल, राजीव सिंह यादव पुत्र राम लदित यादव, संदीप कुमार पुत्र अजय पाल सिंह, रीता गौतम पुत्री श्रीराम गौतम, रीता यादव पुत्री जानकी लाल यादव, अनिरुद्ध पुत्री राजेंद्र सिंह व रेखा लवनिया पुत्री विजेंद्र सिंह की सेवा एक माह तक जारी रहेगी।

सेवा समाप्ति यूनिवर्सिटी की ओर से पारित तारीख से मान्य : बेसिक शिक्षा परिषद सचिव प्रताप सिंह बघेल ने लिखा है कि जिन अभ्यर्थियों के अंकपत्र में कूटरचना की गई है, के संबंध में हाईकोर्ट के आदेश की तारीख से चार माह का समय निर्णय लेने के लिए दिया गया है। यदि किसी यूनिवर्सिटी की ओर से किसी अभ्यर्थी के अंकपत्र को टेंपर्ड घोषित किया जाता है तो ऐसे अभ्यर्थियों की सेवा समाप्ति यूनिवर्सिटी की ओर से पारित आदेश की तारीख से मान्य होगी। इसलिए टेंपर्ड श्रेणी के चिन्हित अभ्यर्थियों की सेवा यूनिवर्सिटी से निर्णय आने तक से चार माह तक के अधीन रखी जाएगी।

नई हवा है, नई सपा है... के मंत्र के साथ चुनाव में उतरेंगे अखिलेश, छवि बदलने को पकड़ी मंदिरों की राह

लखनऊ । समाजवादी पार्टी मुस्लिम-यादव फैक्टर से बाहर निकलकर अब ब्राह्मण व दलितों को साथ लेकर उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 का चुनाव जीतने की अपनी रणनीति पर काम कर रही है। सॉफ्ट हिंदुत्व का संदेश देने के साथ ही सोशल इंजीनियरिंग में जुटे अखिलेश यादव इन दिनों मंदिरों को भी अपने एजेंडे में शामिल किए नजर आ रहे हैं। चुनावी रथ पर सवार सपा ने नए वक्त की नई पुकार को समझते हुए इस बार नई हवा है, नई सपा है... मंत्र को अपनाया है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चुनाव में सियासी संदेश देने के लिए इसे थीम सांग बनवाया है। इस गाने के निर्माता-निर्देशक रवि यादव हैं। इसमें बताया गया है कि अब पहले वाली सपा नहीं रह गई है। नई सपा में बड़ों का हाथ व युवा का साथ है। इस गाने में जिन तस्वीरों का उपयोग किया गया है, उसमें सभी धर्म स्थलों में अखिलेश यादव को पूजा-अर्चना करते हुए दिखाया गया है। इसमें चित्रकूट के सीता मंदिर व बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़कर पूजा करते नजर आ रहे हैं। गाने में अजमेर शरीफ दरगाह पर चढ़ाने के लिए भेजी गई चादर के साथ उनकी तस्वीर है। गुरु तेग बहादुर के शहीद दिवस के कार्यक्रम में शामिल अखिलेश को इसमें दिखाया गया है।

दरअसल, अखिलेश यादव पार्टी की छवि बदलने के लिए इन दिनों मंदिरों के चक्कर लगाकर साधु-संतों का आशीर्वाद ले रहे हैं। 25 फरवरी को वह वाराणसी के तीन दिवसीय दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने संकट मोचन मंदिर, विंध्याचल दरबार सहित संत रविदास मंदिर में दर्शन पूजन किया था। इससे पहले अखिलेश चित्रकूट में पांच किलोमीटर की कामदगिरि की परिक्रमा भी कर चुके हैं।

लोहिया के साथ आंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने का संदेश - अखिलेश यादव डॉ. राम मनोहर लोहिया के साथ ही डॉ. भीमराव आंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने का संदेश दे रहे हैं। पार्टी कार्यक्रम में लोहिया के साथ ही आंबेडकर की तस्वीर साथ में रखी जाने लगी है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि नई सपा में बड़ों के आशीर्वाद से नई पीढ़ी प्रतिनिधित्व कर रही है। सपा की सरकार बनने जा रही है, इसके लिए नई हवा चलनी शुरू हो गई है।

बिहार के बेगूसराय में दिनदहाड़े बड़ी वारदात, यूको बैंक की शाखा से गन प्वॉइंट पर छह लाख की लूट

पटना/बेगूसराय । बिहार के बेगूसराय जिले में दिनदहाड़े बैंक लूटने की खबर सामने आ रही है। लूट की यह घटना बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र स्थित आकोपुर में हुई है। यूको बैंक की आकोपुर शाखा से लगभग साढ़े छह लाख रुपये की लूट की सूचना है। बैंक लूट की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस दौड़े-दौड़े बैंक शाखा में पहुंची। एसपी अवकाश कुमार और एसडीपीओ भी बैंक शाखा में पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं।

बैंक के कैशियर को पिस्टल के बट से किया जख्मी

बैंक लूटने आए बदमाशों ने बैंक के कैशियर निशांत कुमार को पिस्टल के बट से जख्मी किया है। मिली जानकारी के मुताबिक इस वारदात को अंजाम देने के लिए तीन बाइकों

पर सवार होकर छह अपराधी आए थे। वारदात को अंजाम देने के लिए तीन बदमाश बैंक के अंदर गए जबकि तीन बाहर ही खड़े रहे। एसपी अवकाश कुमार, डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक दीपक कुमार, थानाध्यक्ष रविशंकर प्रसाद, एसआइ रामा स्वामी पांडेय घटना की जांच कर रहे हैं। बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को पुलिस खंगाल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र स्थित यूको बैंक शाखा आकोपुर हथियार के बल पर दिन के लगभग 12 बजे लूट की घटना को अंजाम दिया। बैंक शाखा को अपने कब्जे में लेने के बाद लगभग रुपये समेटते हुए वे बाइक पर बैठकर चंपत हो गए।

बैंक लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने इस इलाके से जुड़े कई रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी है। मंझौल ओपी की पुलिस घटना की सूचना पर ओपी क्षेत्र के बसौना मोर पर चेरिया बरियारपुर के तरफ से आने वाले सभी वाहनों की जांच कर रही है। हालांकि पुलिस को अब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

कानपुर देहात में ट्रक पलटने से छह मजदूरों और बच्चों की मौत, 15 गंभीर घायल

कानपुर देहात । भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में मऊखास गांव के पास इटावा रोड पर सोमवार की रात ट्रक पलटने से छह मजदूरों और बच्चों की मौत हो गई, वहीं पंद्रह से ज्यादा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई और राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पुखरायां सीएचसी भेजा, जहां से आठ घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल लिया है।

कानपुर देहात समेत आसपास के जनपदों के गांवों में रहने वाले मजदूर परिवार आलू खोदाई का समय आने पर इटावा, फीरोजाबाद, मैनपुर और कन्नौज जाते हैं। आलू खोदाई के लिए बुलाए जाने पर कानपुर देहात के सीमावर्ती हमीरपुर के कलौली तीर गांव और कानपुर घाटमपुर के बरनांव से कई मजदूर परिवार सोमवार को ठेकेदार के साथ सिरसागंज फीरोजाबाद जाने के लिए निकले थे। अपने अपने गांवों से मजदूर परिवार सोमवार की रात टेंपो और ट्रक से भोगनीपुर चौराहे पर पहुंचे थे। यहां पर इटावा की ओर जा रहे कोयला लदे ट्रक-ट्राला को रोका और सिरसागंज तक छोड़ने को कहा। इसपर उसने सभी मजूदरों को ट्रक पर बिठा लिया। कुछ आगे केबिन में बैठ गए और कुछ पुरुष पीछे कोयले के ऊपर बैठ गए।

भोगनीपुर से इटावा राजमार्ग पर मउखास गांव के पास अचानक ट्रक-ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मजदूर परिवारों में चीख पुकार मच गई, वहीं सड़क पर यातायात भी ठहर गया।

शोर सुनकर पहुंचे आसपास के गांव से लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद भोगनीपुर कोतवाली से आई पुलिस ने ट्रक-ट्राला में फंसे सभी गंभीर घायलों को निकलवाकर अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद छह मजदूरों और बच्चों को मृत घोषित कर दिया और अन्य पंद्रह घायलों का उपचार शुरू किया।

आठ गंभीर रूप से जख्मी मजदूरों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसपी केशव कुमार पहुंचे और घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि चालक का पता किया जा रहा। जल्द अस्पताल पहुचाने से काफी राहत घायलों को मिली है।

इनकी हुई मौत : दुर्घटना में घाटमपुर के बरनांव निवासी 41 वर्षीय रमेश, 45 वर्षीय पिंकी, 14 वर्षीय चन्दावती तथा हमीरपुर के कलौलीतीर निवासी 42 वर्षीय राधा, उसकी पुत्री 8 वर्षीय कोमल व 4 वर्षीय सूरज की मौत हुई है।

ये हुए गंभीर जख्मी : साजन, रज्जनदेवी, सुमित्रा, विमला, शिवलाल, लालाराम, सुरेंद्र व शिखा समेत पंद्रह लोग जख्मी हुए हैं।

जम्मू और कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में ईंधन और एलपीजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में नारे लगाते हुए।

पत्थरबाजों से निपटेगा मॉब कंट्रोल व्हीकल, सुरक्षाबलों का बनेगा मजबूत कवच

दुर्गापुर । तेज शोर के बीच पथराव करती भीड़ और इन पर काबू करने को मशक्कत करते जवान। ऐसे नजारे पहले कश्मीर में अक्सर दिखते रहे हैं। कई मौकों पर दिल्ली समेत देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसी हिंसा दिखी है। दुर्गापुर स्थित केंद्रीय यांत्रिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएमईआरआइ) के वैज्ञानिकों ने अब ऐसा मॉब कंट्रोल व्हीकल (एमसीवी) तैयार किया है जो ऐसे मौकों पर सुरक्षा बलों के लिए मजबूत कवच का काम करेगा। इसके माध्यम से सुरक्षा बल पत्थरबाजों के हमले से खुद को बचाते हुए बिना कोई नुकसान उठाए अपना आपरेशन चला पाएंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रलय के निर्देश पर सीएमईआरआइ ने यह एमसीवी बनाया है। हरियाणा के गुरुग्राम में 28 जनवरी को एमसीवी

का प्रदर्शन हुआ। इस मौके पर सीआरपीएफ के आइजी, डीआइजी, बीएसएफ के डीआइजी, सीआइएसएफ व आइटीबीपी के अधिकारी मौजूद थे। सभी ने इसे सराहा है।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस है वाहन- यह एमसीवी अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसे सुरक्षात्मक तरीके से अभेद्य दुर्ग की तरह बनाने की कोशिश की गई है। एमसीवी को आसानी से न तो भीड़ पलट सकेगी, न ही इसमें आग का असर होगा। वहीं, पथराव की स्थिति में भी वाहन में बैठे जवानों पर असर नहीं होगा। मजबूत होने के साथ यह स्मार्ट भी है। इसमें लगे कैमरे उपद्रव के समय तस्वीरें खींचते रहेंगे, जिनके सहारे उपद्रवियों पर कार्रवाई में आसानी होगी। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस दुर्ग में आठ जवान बैठ सकेंगे। अगली सीट पर चालक के साथ आपरेशन कमांडर बैठेगा। वीडियो ट्रांसमिशन सिस्टम की मदद से दूर मुख्यालय में बैठे अधिकारी स्थिति पर नजर रख उचित दिशा निर्देश वाहन में बैठे जवानों को दे सकते हैं। इस वाहन में उच्च क्षमता के वाइड एंगल कैमरों का उपयोग हुआ है, जो 170 डिग्री क्षेत्र तक की जानकारी दे सकेंगे।

डेढ़ वर्ष में हुआ तैयार- एमसीवी बनाने वाले विज्ञानियों ने बताया कि डेढ़ वर्ष की मशक्कत और कई परीक्षणों के बाद इसे तैयार करने में सफलता मिली है। कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाओं में सेना के जवान जख्मी होते रहते थे। इन पत्थरबाजों की मंशा पर पानी फेरने के लिए एमसीवी तैयार करने की योजना बनी थी। हमने तीन प्रकार के लाइट, मीडियम और हैवी मॉब कंट्रोल व्हीकल बनाए हैं। अब केंद्र सरकार इसका व्यावसायिक उत्पादन कराएगी। लाइट वैरिएंट एमसीवी का उपयोग छोटे रास्तों, मीडियम एमएसवी का शहरों तथा हैवी एमसीवी का इस्तेमाल बड़े मार्गो पर किया जा सकेगा।

आटोमेटिक मल्टी बैरल लांचर छोड़ेगा भीड़ पर पानी और आंसू गैस- एमसीवी में मल्टी बैरल लांचर से भीड़ पर पानी और अश्रु गैस छोड़ी जा सकेगी। गैस व पानी के प्रवाह को किसी भी दिशा में घुमाया भी जा सकेगा। वहीं आग बुझाने के लिए वाहन में फोम स्प्रे सिस्टम और पानी की व्यवस्था है।

एक नजर

लव जिहाद के शैतान पर कसी जाएगी लगाम, इसी सत्र में लाया जाएगा कानून

अहमदाबाद । गुजरात के गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि लव जिहाद के शैतान पर लगाम कसने के लिए गुजरात विधानसभा के इसी सत्र में कानून लाया जाएगा। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सदन शुरू होने से पहले पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि लव जिहाद के नाम पर लड़कियों का शोषण नहीं होने देंगे।

धर्म परिवर्तन के लिए दबाव- प्रेम जाल में फंसा कर विधर्मी युवक हिंदू व अन्य धर्म की लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाते हैं तथा बाद में उनका शोषण किया जाता है और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जाता है। गुजरात में साजिश के रूप में तथा जोर जबरदस्ती से किसी का भी धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा सके इसके लिए राज्य सरकार गंभीर है तथा इसी बजट सत्र में एक कानून लाया जाएगा धार्मिक संशोधन कानून के तहत लव जिहाद को गंभीर अपराध बनाया जाएगा ताकि गुजरात में इस पर नियंत्रण लगाया जा सके।

लव जिहाद पर कानून बनाने की मांग- भाजपा सांसद मनसुख वसावा भाजपा के विधायक शैलेश मेहता भाजपा के विधायक शशिकांत पंड्या सहित कई नेता गुजरात सरकार से लव जिहाद पर कानून बनाने की मांग पहले ही कर चुके हैं। पंचायत में पालिका चुनाव प्रचार के दौरान खुद मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भी विधानसभा के बजट सत्र में लव जिहाद कानून लाने की घोषणा की थी

श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर के बाहर से ही भक्तों ने किए बाप्पा के दर्शन, कोरोना के चलते लगा प्रतिबंध

मुंबई । गणेश अंगारकी चतुर्थी के खास अवसर पर भक्तों ने श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर बाप्पा का आशीर्वाद लिया। दरअसल राज्य में और खासकर मुंबई में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए प्रतिबंध लगाए गए हैं। मंदिर में केवल पूर्व जारी क्यूआर कोड पर ही अनुमति दी गई है, बता दें कि आज भक्तों को ऑफलाइन दर्शन की अनुमति नहीं है। बता दें कि सिद्धिविनायक मंदिर शहर के प्रभादेवी इलाके में स्थित है। कोरोना संक्रमण के कारण पिछले साल कई महीनों तक मंदिर बंद रहा था। नवंबर में इसे फिर से भक्तों के लिए खोल दिया गया था। गौरतलब है कि मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई भागों में बीते कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा दर्ज किया जा रहा है। जिसे देखते हुए 1 मार्च से नई व्यवस्था लागू की गई है जिसके चलते दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। इस माह से केवल ऑनलाइन पंजीकरण करवाने वाले भक्त ही बाप्पा के दर्शन कर पाएंगे। मंदिर परिसर में एक घंटे में केवल सौ भक्त ही जा पाएंगे। बता दें कि इससे पहले दर्शन के लिए पंजीकरण न करवाने वाले भक्तों को क्यूआर कोड जारी किए जाते थे। इसके बाद ही भक्त मंदिर परिसर में दाखिल हो सकते थे। लेकिन एक मार्च से नियम बदल दिए गए हैं। अगला आदेश मिलने तक पहले से पंजीकरण नहीं कराने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रत्येक घंटे में मात्र 100 भक्त ही मंदिर में प्रवेश कर पाएंगे। भक्तों को सुबह सात बजे से रात नौ बजे के बीच बाप्पा के दर्शन की अनुमति होगी।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल बोले, सरदार पटेल की प्रतिमा से कांग्रेस को परहेज

अहमदाबाद । गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस नेता भाजपा के बनाए अस्पताल में इलाज करा लेते हैं, लेकिन सरदार पटेल की प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को देखने इसलिए नहीं जाते, क्योंकि उसका निर्माण भाजपा ने कराया है। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के प्रारंभ होने से पहले नितिन पटेल ने कहा कि कांग्रेस के नेता स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने जाना चाहें तो सरकार उनके लिए बस की व्यवस्था करके देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को सरकारी सुविधाओं व भवनों का सदुपयोग करना चाहिए। गांधीनगर में बनाए गए महात्मा मंदिर में भी वे समारोह करना चाहें तो सरकार उपलब्ध कराने को तैयार है।

सोमवार से विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभहुइ जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी, पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल को याद किया तथा श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि पूर्व सीएम सोलंकी गोकुल ग्रामयोजना व सरदार सरोवर बांध के निर्माण में योगदान के लिए हमेशा याद किये जाएंगे। केशुभाई ने समग्र जीवन ग्रामीण विकास,किसान तथा लोगों के सामाजिक उत्कर्ष में लगाया। सदन में चार पूर्व दिवंगत राज्यमंत्री व सात विधायकों को भी श्रद्धांजलि दी गई।

मोबाइल एप से बजट-राज्य सरकार का बजट मोबाइल एप के माध्यम से पेश किया जाएगा, गुजरात बजट एप्लीकेशन गुगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगी। इसमें सरकार के 27 विभागों के दस्तावेज, वर्ष 2021-22 के बजट के दो खंड, बजट से संबंधित समाचार, हाईलाइट्स तथा खास बिन्दू गुजराती व अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध होंगे। बतौर वित्तमंत्री पटेल बुधवार को राज्य का बजट मोबाइल ऐप के जरिए पेश करेंगे।

लवजिहाद के खिलाफ कानून- गृह राज्यमंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि लव जिहाद के शैतान पर लगाम कसने के लिए सरकार इस सत्र में लव जिहाद को लेकर कानून लेकर आएगी। राज्य में किसी भी लड़की को लव जिहाद की शिकार बनाकर धर्मांतरण नहीं किया जा सकेगा। जाडेजा ने कहा कि मासूम लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी करने के बाद उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव डाला जाता है।

जयपुर में अनोखी चोरी: 90 लाख का प्लाट खरीद, डॉक्टर के घर तक सुरंग बना 400 किलो चांदी चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में सुरंग खोदकर करोड़ों की चांदी चोरी किए जाने के मामले में चार आरोपितों को केदार जाट, कालूराम सैनी, बनवारी लाल जांगिड़ व रामकृष्ण जांगिड़ को गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि मुख्य आरोपित शेखर अग्रवाल ने इस वारदात की साजिश रची थी। उसने इसमें अपने भांजे जतिन जैन को भी शामिल किया था। दोनों अभी फरार हैं। शेखर को डाक्टर जानते थे और उसको डाक्टर के यहां बड़ी तादात में चांदी रखी होने की जानकारी थी।

गौरतलब है कि शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले हेयरप्लांट विशेषज्ञ डाक्टर सुनीत सोनी के यहां चोरी हुई थी। आरोपितों ने वारदात को अंजाम देने के लिए डाक्टर के घर के पास 87 लाख रुपये में मकान खरीदा और फिर करीब 15 फीट गहराई में 20 फीट लंबी सुरंग खोद कर डाक्टर के घर के बेसमेंट में रखे तीन बक्सों से करोड़ों रुपये की चांदी पार कर दी थी। पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि डाक्टर के घर के पीछे एक मकान के कमरे से सुरंग खोदी गई है। चोर इसी सुरंग के जरिये ही बेसमेंट तक पहुंचे और फिर फर्श खोदकर बक्से निकाल ले गए। इस मामले में पुलिस ने बनवारी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। बनवारी के नाम से ही डाक्टर के घर के समीप मकान खरीदा गया था। हालांकि, मकान का असली मालिक शिखर अग्रवाल है, जो खुद सर्राफा व्यापारी है। उसी के कहने पर डाक्टर ने चांदी में निवेश किया था। बताया जाता है कि केदार जाट, कालूराम सैनी, व रामकृष्ण जांगिड़ ने सुरंग खोदने में मदद की थी।

मिली जानकारी के अनुसार पिंकसिटी के नाम से मशहूर जयपुर के वैशाली नगर से करोड़ों रुपये की चांदी की चोरी का मामला सामने आया था। शहर के नामी हेयर ट्रांसप्लांट सर्जन के घर से चोरों ने करोड़ों रुपये की चांदी पर हाथ साफ कर दिया था। घर के बेसमेंट में रखे लोहे की तीन बक्सों से चांदी की सिल्लियां और जेवर निकाल लिये। जानकारों का कहना है कि चोरी का ये आइडिया हॉलीवुड मूवी से चुराया गया होगा।

डॉक्टर ने पुलिस को बताया था कि जब दो दिन पहले वह बेसमेंट में गए थे। वहां बक्सों से चांदी के गहने गायब थे लोहे के सारे बक्सों को काटकर सारा कीमती सामान निकाला गया था। बक्से के नीचे 2 फुट गहरा सुराख दिखा। जांच में पता चला कि लगभग 20 फुट लंबी सुरंग खोदकर इस चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। डॉक्टर ने दर्ज करवायी गई एफआइआर में चांदी का वजन और कीमत की जानकारी नहीं दी थी। पुलिस का अनुमान था कि लोहे के बक्सों को देखकर लगता था कि इसमें कई क्विंटल चांदी होगी जिसकी कीमत करोड़ों में हो सकती है। इन बक्सों को जमीन में गाड़कर रखा गया था और उसके ऊपर से टाइल्स लगाकार पक्का फर्श भी बनाया गया था।

संजय राठौर के बाद अब धनंजय मुंडे के इस्तीफे का मुद्दा गरमाने में जुटी भाजपा

मुंबई । महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र से पहले महाविकास अघाड़ी सरकार के वनमंत्री संजय राठौर के इस्तीफे के बाद अब भाजपा एक और मंत्री धनंजय मुंडे के भी इस्तीफे का मुद्दा गरमाने लगी है। अब तक इस मामले में चुप रहीं धनंजय मुंडे की चचेरी बहन व वरिष्ठ भाजपा नेता पंकजा मुंडे ने कहा कि इस मामले में भाजपा के विचार ही मेरे विचार हैं। पिछले दिनों एक महिला ने महाविकास अघाड़ी सरकार के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। यह आरोप लगने के बाद स्वयं धनंजय मुंडे ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि उनके संबंध आरोप लगाने वाली महिला से नहीं, बल्कि उसकी बड़ी बहन से रहे हैं। उससे उनके दो बच्चे भी हैं।

उन्होंने स्कूल में उन्हें अपना नाम दिया है और उनके लिए अचल

संपत्तियां भी खरीदी हैं। धनंजय मुंडे के इस खुलासे के कुछ दिनों बाद ही आरोप लगाने वाली महिला ने पुलिस थाने में अपना हलफनामा देकर अपना आरोप वापस ले लिया था।

लेकिन धनंजय मुंडे ने जिस महिला से अपने संबंधों का खुलासा किया था, उसके साथ अभी मुंडे का विवाद कोर्ट में लंबित है। उसने उनके खिलाफ राज्य पुलिस महानिदेशक को लिखित शिकायत भी की है।

यह मामला सामने आने के बाद से ही भाजपा ने उनके इस्तीफे की मांग शुरू कर दी थी। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल व प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा वाघ ने पूरे राज्य में धनंजय मुंडे के खिलाफ अभियान छेड़ दिया था। लेकिन उस समय धनंजय की चचेरी बहन पंकजा मुंडे का कोई बयान सामने नहीं आया था। लेकिन सोमवार को पंकजा मुंडे से एक बातचीत के दौरान जब प्रेस ने इस संबंध में उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि भाजपा के विचार ही उनके विचार हैं।

एक दिन पहले ही शिवसेना के एक मंत्री संजय राठौर एक महिला की आत्महत्या से नाम जुड़ने के बाद अपना इस्तीफा दे चुके हैं। माना जा रहा है कि बजट सत्र की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले राठौर का इस्तीफा लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विपक्ष के विरोध की धार कम करने की कोशिश की है। लेकिन विपक्ष धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग करके अपना विरोध जारी रखना चाहता है।

बंगाल की सियासी धरती पर अब तक की सबसे बड़ी चुनावी जंग

कोलकाता । बंगाल की सियासी धरती पहले कांग्रेस, फिर वाममोर्चा और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के लिए काफी उपजाऊ रही है। आजादी के बाद से 1977 के शुरुआत तक, बीच में कुछ वर्षो को छोड़ दें तो सूबे में कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। वर्ष 1977 में माकपा की अगुआई में वाममोर्चा सत्ता पर ऐसे काबिज हुआ कि 34 वर्षो तक शासन में रहा। मई 2011 में वामपंथी शासन का अंत हुआ और पिछले करीब एक दशक से तृणमूल सत्तासीन है, लेकिन जिस बंग भूमि पर जनसंघ के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पैदा हुए, वह धरा भाजपा के लिए तीन वर्ष पहले तक बंजर थी। इसकी वजह कांग्रेस और वामपंथ की मजबूत जड़ें रही, जिसने भगवा रंग यहां के लोगों पर चढ़ने ही नहीं दिया। यही कारण है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव को छोड़कर बंगाल में कभी भाजपा दो से अधिक सीटें नहीं जीत पाई।

विधानसभा चुनाव की बात करें तो वर्ष 2016 में पहली बार भाजपा का खाता खुला और विधानसभा में उसके मात्र तीन सदस्य ही पहुंच पाए। इससे पहले वर्ष 1991 और

2017 के विधानसभा उपचुनावों में सिर्फ दो बार भाजपा को जीत नसीब हुई थी। परंतु इस वर्ष परिस्थितियां काफी बदली हुई हैं। एक तरफ तृणमूल कांग्रेस तो दूसरी तरफ भाजपा बंगाल की धरती पर अब तक की सबसे बड़ी जंग लड़ रही है। न तो भाजपा ने इससे पहले बंगाल में विधानसभा चुनावों में कभी इतनी ताकत लगाई थी और न ही ममता बनर्जी को इतनी कड़ी चुनौती मिली थी।

देश की आजादी के बाद से बंगाल के चुनावी इतिहास में शायद यह पहला मौका है, जब केंद्र में सत्तारूढ़ दल यहां विधानसभा चुनाव को लेकर इतनी ताकत झोंक रहा है। इससे पहले ममता बनर्जी वामपंथियों की पारंपरिक चुनावी रणनीति से लड़ रही थीं, लेकिन भाजपा की अत्याधुनिक रणनीति से पहली बार उनका सामना हो रहा है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा को जिस तरह से सफलता मिली, उससे भाजपा नेतृत्व काफी उत्साहित है। भगवा ब्रिगेड को लगने लगा है कि कांग्रेस, वाममोर्चा और तृणमूल के बाद अब बंगाल की जनता के मन में भाजपा के प्रति लगाव बढ़ा है।

वर्ष 2009 और 2014 के लोकसभा और 2011 व 2016 के विधानसभा चुनावों में वामपंथियों को त्यागने के बाद यहां की जनता तृणमूल या यूं कहें कि ममता बनर्जी के रंग में रंग गई थी।

इसी का नतीजा था कि वर्ष 2008 के पंचायत चुनाव के बाद से तृणमूल 2019 के पहले तक एक भी चुनाव नहीं हारी, लेकिन इस विधानसभा चुनाव में हवा बदली हुई दिख रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या फिर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा हों या फिर केंद्रीय मंत्रियों समेत भाजपा के अन्य नेता, इन सभी की सभाओं, रैलियों और रोड शो में जिस तरह से भीड़ जुट रही है, वह कहीं न कहीं यहां के लोगों पर चढ़ रहे भगवा रंग को दर्शा रहा है। हालांकि विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या होगा, यह तो दो मई को पता चलेगा, लेकिन इतना तय है कि इस बार कुछ अलग होने वाला है। ममता तीसरी बार सत्ता में आती हैं या फिर भाजपा के हाथ सत्ता लगती है, यह तो बाद की बात है। एक बड़ी बात यह है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती पर भगवा के प्रभाव का विस्तार हो चुका है। हर गली-मोहल्ले में तृणमूल और वाम-कांग्रेस के साथ-साथ अब भगवा झंडा भी लहराने लगा है।बंगाल की जनता ने पहले कांग्रेस, फिर 1977 से अप्रैल 2011 तक वाममोर्चा को सत्ता सौंपी और 2011 में तृणमूल को सत्तारूढ़ कर दिया। वर्ष 1977 में वामपंथियों को 47.63 फीसद वोट मिले थे और ज्योति बसु मुख्यमंत्री बने थे।

इसके बाद 34 वर्षो तक 50 फीसद से अधिक मतों के साथ बंगाल की सत्ता पर वाममोर्चा काबिज रहा। वर्ष 2011 के विधानसभा चुनाव से पहले के हालात के विश्लेषण से पता चला कि बंगाल की जनता स्वभाव से करीब 34 वर्षो तक वामपंथी हो गई थी, लेकिन 2006 के विधानसभा चुनाव के बाद बदलाव देखा गया। वर्ष 2011 में तो पूरा परिवर्तन हो गया यानी वामपंथी स्वभाव को त्यागकर लोग तृणमूल के रंग में रंग गए और ममता बनर्जी को 48.4 फीसद वोट देकर सत्तारूढ़ कर दिया। इस प्रकार वामपंथी हो जाने की जो छाप यहां की जनता पर लगी थी, उसे भी उन्होंने बदल दिया। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां तृणमूल कांग्रेस को 43.3 फीसद वोट मिले, वहीं 40.7 फीसद मतदाताओं के स्वभाव में एक बार फिर परिवर्तन दिखा और भाजपा को बंगाल में अभूतपूर्व सफलता मिली।

इस बार होने जा रहे चुनाव में भी जनता का मूड हर कोई जानने को बेताब है। हरेक दल का अपना-अपना दावा है। लड़ाई भी काफी कड़ी है। यहां की जनता का फैसला क्या होगा? यह तो दो मई को पता चलेगा। पर एक बात जो सबसे खास है, वह यह कि अब बंगाल के लोग भी हरेक चुनाव में किसी एक दल या मोर्चा को समर्थन देने के पक्ष में नहीं दिख रहे हैं। वैसे बंगाल के मतदाता शुरू से ही दो भागों में बंटे रहे हैं। वर्ष 1977 से पहले कांग्रेस समर्थक और गैर कांग्रेस समर्थक यानी वामपंथी। अब तृणमूल और भाजपा समर्थक दिख रहे हैं।

राजस्थान के धनराज चौधरी भारतीय टेबिल टेनिस महासंघ के सी ई ओ नियुक्त

अजमेर । राजस्थान टेबिल टेनिस संघ के सचिव धनराज चौधरी को भारतीय टेबिल टेनिस संघ के द्वारा 2021.2024 सत्र के लिये चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत लगभग पांच दशकों से चौधरी ने राष्ट्रीय, कौन्टिनैन्टल व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रशासनिक दक्षता से सैफ खेल, एशियाई खेल, कॉमनवैल्थ, वर्ल्ड चैम्पियनशिप व 5 औलंपिक सहित अति प्रतिष्ठित सौ से ज्यादा प्रतियोगिताओं के आयोजन को सफलता के सोपान तक पहुंचाया है।

राजस्थान टी टी संघ के अध्यक्ष जोधपुर निवासी मुकुल गुप्ता को महासंघ में एसोसिऐट वाईस प्रेसिडेन्ट का दायित्व दिया गया है जो राजस्थान के लिये दोहरी उपलब्धि है। राजस्थान टीटी संघ के सचिव व राजस्थान औलंपिक संघ के चीफ एडवाईजर धनराज चौधरी का अजमेर आगमन पर स्थानीय मूलचंद चैहान स्टेडियम के सभागार में अभिनन्दन किया गया। जिले व राज्य के प्रशासनिक अधिकारीगण, राजनैतिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व, विविध खेल संघों, समितियों के पदाधिकारियों व सदस्यों ने चौधरी का माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

उपमहापौर नीरज जैन ने बताया कि धनराज जी के मार्गदर्शन में विगत 10 सालों में नगर निगम, अजमेर ने जितनी भी जिला, राज्य, राष्ट्रीयय स्तर पर प्रतियोगिताएं करवाई है वह अत्यन्त सफल रही है, आगामी काल में भी नगर निगम अजमेर में कई और बढी प्रतियोगिताएं करवाने को तत्पर है। जलीय खेलों के लिए शहर में बने पहले क्लब बोट क्लब के जयप्रकाश दाधीच ने 21 किलो की माला पहनाकर विश्वास व्यक्त किया कि चौधरी के कुशल मार्गदर्शन मे शीघ्र ही अजमेर में एक्का स्पोर्टस् की गतिविधिया भी प्रारम्भ की जाएगी। पूर्व आईएएस हनीफ मौहम्मद ने चौधरी के द्धारा निभाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विविध प्रसंगों का उल्लेख किया, साथ ही वरिष्ठ कलमकार नरेन्द्र चैहान ने गत 50 वर्षों के खेल जीवन पर प्रकाश डाला व ख्याति प्राप्त ब्लोगर एसपी मित्तल ने बताया कि किस प्रकार धनराज चैधरी के अथक परिश्रम से अजमेर की धाक आज भी दिल्ली में बनी हुई है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में कोरोना मामलों में वृद्धि के बाद, कोविड-19 परीक्षणों के लिए बाहरी यात्रियों की स्क्रीनिंग करते हुए।

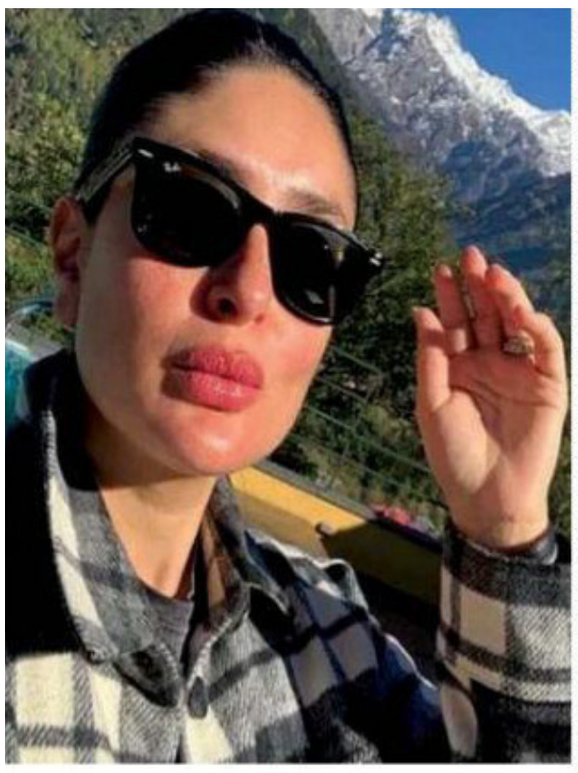

डिलीवरी के 9 दिन बाद करीना कपूर ने शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने हाल ही में अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। दूसरे बेटे के जन्म के बाद से ही करीना मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली करीना को उनके फैंस मिस कर रहे हैं तो करीना भी अपने फैंस को मिस कर रही है। दूसरी बार मां बनने के 9 दिन बाद करीना इंस्टाग्राम पर एक्टिव हुई है। उन्होंने फैंस को खुश करने के लिए एक तस्वीर शेयर की है। शेयर की तस्वीर में करीना बड़ी सी हैट लगाएं और गॉगल पहने नजर आ रही है। उनके बाल खुले हैं और वे बिना मेकअप दिख रही है। इस तस्वीर में वो एक स्विमिंग पूल के पास बैठी नजर आ रही है। करीना की ये तस्वीर उनके नए घर की है जो उन्होंने दूसरे बेटे के आने से पहले ही तैयार करवा लिया था। तस्वीर शेयर कर करीना ने लिखा, 'हैलो, आप सबको बहुत मिस किया।' करीना की इस तस्वीर पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी जमकर कमेंट कर रहे हैं। खबरों की मानें तो करीना और सैफ अली खान अपने बेटे को फैंस के साथ खास अंदाज में रूबरू कराएंगे। कोरोना काल में कपल अपने न्यूली बेबी को लेकर काफी सतर्क हैं और दूसरे बेटे के वर्चुअल इंट्रोडक्शन की तैयारी में हैं।

अमिताभ बच्चन की आंख की सर्जरी हुई, कहा- ठीक होने की गति धीमी

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सोमवार को बताया कि उनकी एक आंख का ऑपरेशन हुआ है और उम्मीद जताई कि 'सब ठीक हो जाएगा।' अभिनेता (78) ने सोमवार को अपने आधिकारिक ब्लॉग पर लिखा कि 'सबसे अच्छा किया जा रहा है' और उनकी टाइप करने संबंधी त्रुटियों को नजरअंदाज किया जाए। बच्चन ने लिखा, 'इस उम्र में आंख की सर्जरी बहुत नाजुक होती है और इसे बहुत ध्यान से करना होता है। सबसे अच्छा किया जा रहा है और उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा। नजर अभी कमजोर है और ठीक होने की गति भी धीमी है ऐसे में अगर टाइप करने में त्रुटियां हों तो उन्हें माफ किया जाए।' ब्लॉग पर लिखी लंबी पोस्ट में अभिनेता ने अपनी स्थिति की तुलना वेस्ट इंडीज के क्रिकेट खिलाड़ी गैरी सोबर्स से की और एक घटना को याद किया जो उन्होंने पूर्व क्रिकेटर के बारे में सुनी थी। बच्चन ने कहा कि उन्हें इस कहानी की 'विश्वसनीयता' को लेकर पूरा भरोसा नहीं है, लेकिन टाइपिंग के साथ उनकी मौजूदा मुश्किल गैरी सोबर्स की एक पारी की तरह की है जहां उन्होंने नशे में अपनी टीम को बचाने के लिये बैटिंग की थी। बच्चन ने लिखा, 'एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के साथ क्रिकेट मैच के दौरान वेस्ट इंडीज टीम बहुत अच्छी स्थिति में नहीं थी और लग रहा था वह हार जाएगी। गैरी सोबर्स ड्रेसिंग रूम में बैठे थे और संभावित हार देख उन्होंने रम की बोतल खोली और कुछ घूंट भरे। जब उनकी बारी आई और वह बल्लेबाजी करने गए तो उन्होंने अपना सबसे तेज शतक लगाया।'

क्या दोबारा शादी करने के मूड में हैं सनी लियोनी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सनी ने हाल ही में कुछ ऐसा शेयर किया है कि फैंस खुशी के मारे फूले नहीं समा रहे। सनी ने दुल्हन बन अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। सनी लियोनी ने व्हाइट वैडिंग गाउन में तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वे काफी खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों के साथ सनी ने कैप्शन में लिखा, 'marry me'
सनी लियोनी ने ये फोटोशूट किसी फिल्म के लिए करवाया है या फिर कोई ब्रांड के लिए फोटोशूट है, ये अभी पता नहीं चल पाया है। लेकिन कुछ भी हो सनी का ये अंदाज खूब सुर्खियां बटोर रहा है। सनी लियोनी इस वक्त केरल में हैं और वहां सनी स्प्लिट्सविला की शूटिंग कर रही हैं। सनी आए दिन केरल से तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। बता दें कि सनी और डेनियल ने कुछ साल की डेटिंग के बाद 2011 में एक-दूसरे से शादी कर ली थी। दोनों ने 2018 में एक बेटी गोद ली थी जिसका नाम उन्होंने निशा कौर वेबर रखा है। सनी और डेनियल के दो और बच्चे हैं जिनका नाम नोह और अशर है। दोनों का जन्म सरोगेसी के जरिए हुआ था।

प्रियंका चोपड़ा और अनुष्का को टक्कर देंगी आलिया भट्ट! एक्टिंग के बाद शुरू किया ये काम

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का टीजर अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। आलिया ने इस टीजर को शेयर करते हुए निर्देशन संजय लीला भंसाली को जनन्मदिन की बधाई भी दी। अब आलिया भट्ट ने अपने प्रशंसकों को एक और बड़ी खबरों से चौंका दिया है। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है, जिसे 'इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस' के नाम से जाना जाएगा। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कंपनी का लोगो साझा किया और अपने नये प्रोडक्शन हाउस को लॉन्च किया। चमकीले पीले रंग का लोगो दो बिल्लियों के साथ आता है। लोगो में दो बिल्लियों के साथ लॉन्च किया गया है। आलिया बिल्लियों की बहुत शौकीन हैं और अक्सर अपने पालतू जानवरों की आकर्षक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती हैं और ऐसा लगता है कि उनका प्रोडक्शन हाउस भी उसी से प्रेरित है। लोगो के साथ आलिया भट्ट ने लिखा, मुझे घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही हैज ये मेरा नया प्रोडक्शन हाउस है! इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस। आइए हम आपको बताते हैं हैप्पी किस्से। असली किस्से। कालातीत कहानियाँ।' अभिनेत्री को उनके नए उद्यम के लिए बहुत प्यार और समर्थन मिला। आलिया की मां ने टिप्पणी की, 'सुपर डुपर अभिमान। जबकि करण जौहर ने उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए अलिया की तारीफ की। आलिया भट्ट हाल ही में 'गंगूबाई काठिवाडी' से अपने शानदार अवतार के साथ प्रशंसकों को गिफ्ट दिया। फिल्म का ट्रेलर संजय लीला भंसाली के जन्मदिन के अवसर पर लॉन्च किया गया था और यह आलिया भट्ट के प्रशंसकों के लिए एक गिफ्ट बन गया। फिल्म काठियावाड़ एक लड़की की कहानी बताती है और यह मुम्बई के माफिया क्वींस की किताब हुसैन जैदी के अध्यायों (गंगूबाई काठियावाड़ी) पर आधारित है। 'गंगूबाई काठिवाडी' में अजय देवगन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। फिल्म इस साल 30 जुलाई को स्क्रीन पर आने वाली है।

3 साल से पर्दे से गायब रणबीर कपूर 2022 में तोडेंगे अपना ब्रेक! सामने आयी बड़ी जानकारी

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को आखिरी बार 2018 में संजय दत्त की बायोपिक संजू में देखा गया था। तब से लेकर अभी तक किसी भी फिल्म में वह नजर नहीं आये हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र 2019 में रिलीज होने वाली थी लेकिन फिल्म की शूटिंग काफी लेट चलने के कारण अभी तक रिलीज नहीं हो सकी है। उम्मीद है कि 2022 तक फिल्म रिलीज हो जाएगी। इसके अलावा 2021 में रणबीर कपूर ने अपने नये प्रोजेक्ट एनिमल का भी ऐलान किया है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अनिल कपूर की भी मुख्य भूमिका होगी। ताजा रिपोर्ट के अनुसार फिल्म का टीजर और रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। रणबीर कपूर और अनिल कपूर अभिनीत फिल्म %एनिमल% के निर्माताओं ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए फिल्म का टीजर के बाद रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। फिल्म 2022 में दशहरा पर रिलीज़ होगी। अपने ट्विटर हैंडल पर अनिल कपूर ने अपने प्रशंसकों के साथ खबर साझा की। उन्होंने लिखा, एनिमल कमिंग दशहरा 2022! रणबीर कपूर परिणीति चोपड़ा द देओल द्वारा निर्देशित सेवा द्वारा निर्मित है। कबीर सिंह के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में बॉबी देओल और परिणीति चोपड़ा भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। यह भूषण कुमार, प्रणय रेड्डी वंगा, मुराद खेतानी और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है। टीजर के अनुसार, ऐसा लग रहा है कि अनिल कपूर फिल्म में रणबीर कपूर के पिता की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म एक थ्रिलर की तरह लगती है क्योंकि फायर किए जा रहे गनशॉट को टीज़र के अंत में सुना जा सकता है।

बड़ी डीटेल हुई लीक! एक विलेन रिटर्न में इस बार सीरियल किलर बनेंगी दिशा पटानी

एक्ट्रेस दिशा पटानी ने मोहित सूरी की अगली सीरीज एक विलेन रिटर्न्स 'की शूटिंग शुरू करते ही अपनी वैनिटी वैन से एक तस्वीर साझा की। फिल्म के नाम के साथ एक जैकेट पहने हुए, दिशा कैमरे की ओर अपनी पीठ के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीर में दिशा पटानी जैकेट और शॉर्ट्स पहने नजर आ रही हैं। फिल्म एक विलेन की सफलता के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रद्धा कपूर, और रितेश देशमुख अभिनीत, मोहित सूरी की फिल्म की दूसरे पार्ट का लोग इंतजार कर रहे थे। अब मोहित सूरी फिल्म की नयी किस्त के साथ वापस आ गए हैं। सीक्वल में दिशा पटानी, तारा सुतारिया, जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिकाओं में होंगे। यह पहली बार है जब ये सभी अभिनेता किसी फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। फिल्म को कथित तौर पर 'दो विलेन' के नाम से जाना जाता था और आदित्य रॉय कपूर को मेल लीड में से एक माना जा रहा था। आदित्य ने मोहित के साथ 'मलंग' में भी काम किया था, हालांकि खबरों के मुताबिक फिल्म के लिए आदित्य रॉय कपूर ने मना कर दिया था। फिल्म को आदित्य ने क्यों छोड़ा इसकी वजह न ही मोहित द्वारा और न ही आदित्य द्वारा बताई गयी। एक विलेन रिटर्न्स 'के बारे में बात करते हुए, फिल्म के निर्देशक मोहित ने पहले एक समाचार पोर्टल को बताया था कि फिल्म में लड़कियां खलनायक की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे खलनायक और विभिन्न पात्रों की एक पूरी श्रृंखला पर निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं, जो सभी जुड़े हुए हैं। यह फिल्म 11 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शास्त्री को लगा कोविड-19 टीका।

किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार : क्रिस गेल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के खेल के लोग दीवाने है। श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रंखला के लिए जगह दी है। इस पर बात करते हुए कहा कि वह किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कहां बल्लेबाजी करते हैं, वह उस स्थिति में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी की कोशिश करेंगे। गेल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब के लिए तीसरे नम्बर पर खेले थे। गेल ने कहा, ऐसा लगता है जैसे मैं अब नंबर तीन का विशेषज्ञ हूं। यह एक भूमिका थी जिसे कोच अनिल कुंबले ने मुझे खेलने के लिए कहा। आईपीएल शुरू होने से पहले उन्होंने इसका उल्लेख किया था, जिसमें मुझे कोई समस्या नहीं थी, और आखिरकार, जब वास्तव में मौका मिला तो वे तीसरे नंबर पर मेरा अनुभव चाहते थे क्योंकि उस समय मयंक अग्रवाल और केएल राहुल अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह कोई समस्या नहीं है। मैं स्पिन खेलने में अच्छा हूं, मैं तेज गेंदबाज खेलने में उतना ही अच्छा हूं जितना कि मैं सलामी बल्लेबाज हूं। लेकिन वेस्टइंडीज क्रिकेट के साथ जो भी भूमिका में देखना चाहते हैं मैं उस विशेष भूमिका को निभाने के लिए तैयार हूं। हमने पूरी तरह से इस पर चर्चा नहीं की है, लेकिन मैं थोड़ा सिर उठाऊंगा और इस विशेष श्रृंखला में और विश्व कप में काम करूंगा। अगर यह खुल रहा है, तो मैं तैयार हूं, नंबर तीन, नंबर पांच- मैं बहुत ज्यादा लचीला हूं। मैं अभी भी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ नंबर 5, दुनिया में सर्वश्रेष्ठ नंबर 3 बनूंगा।

साल 2019 के बाद वेस्टइंडीज टीम में चुने जाने पर गेल ने कहा, मैंने वास्तव में खेल से दूर जाने के बारे में सोचा और फिर लोगों ने कहाः नहीं, यह मत करो, यह मत करो। जहां तक संभव हो, और खेलें। इसलिए मैंने फैसला किया कि मैं वास्तव में खेलना जारी रखूंगा। मुझे पसंद था, मैं फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलने जा रहा हूं, जितना संभव हो लोगों का मनोरंजन करूं, और क्रिस गेल के भीतर जो कुछ खेल बचा है मैं दुनिया भर में एक्सप्लोर करना चाहता हूं। जब मुझे फोन आया और उन्होंने पूछा कि क्या मैं इच्छुक हूं, तो मैंने कहाः हां, मैं वेस्टइंडीज के लिए खेलना चाहता हूं। वहीं मेरा दिल है। मैं इस समय वेस्टइंडीज क्रिकेट से संबंधित किसी भी चीज को ठुकराने वाला नहीं हूं। इसलिए मैं पाकिस्तान से वापस विश्वकप में भाग लेने वाले सेट का हिस्सा बन गया ताकि हम समूह के भीतर एकता बना सकें और फिर उम्मीद है कि हम यह टी 20 ट्रॉफी जीत सकते हैं।

गेल टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहते हैं और इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि यह थोड़ा ध्यान देने वाला हो सकता है, लेकिन मैं नहीं चाहता कि आप उस संबंध में जाएं, ईमानदार रहें। हम टीम के दृष्टिकोण से चीजों को देख रहे हैं। पोलार्ड बहुत मजबूत कप्तान हैं और हमारे पास टीम के भीतर बहुत से अच्छे खिलाड़ी हैं। मैं सीरीज जीतना चाहता हूं। मैं अच्छी शुरूआत करना चाहता हूं। वापस आना वास्तव में अच्छा है। उम्मीद है मैं प्रदर्शन कर सकता हूं, टीम की मदद कर सकता हूं और टीम को जीत की स्थिति में डाल सकता हूं। वेस्टइंडीज के इस बल्लेबाज ने अंत में कहा, मैं सीरीज जीतकर शुरूआत करना चाहता हूं, लेकिन बड़ी तस्वीर वास्तव में मेरी बेल्ट के नीचे तीन टी20 खिताब हासिल करना है। यह वास्तव में वह लक्ष्य है जो मैं टी20 विश्व कप जीतकर अपने सिर स्थापित करना चाहता हूं। हमारे पास काफी सीरीज आ रही हैं और हमारे पास काफी क्रिकेट है। हम कोशिश करेंगे और जितना संभव हो सके आने वाली इन श्रंखलाओं में जीतेंगे।

लक्ष्मण ने बताया स्पिन विकेट पर खेलने का तरीका

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने गुरुवार को भारत ओर इंग्लैंड के बीच होने वाले चौथे टेस्ट मैच से पहले इस स्पिन विकेट पर खेलने के कुछ टिप्स दिये हैं। तीसरे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाज इस पिच पर टिक नहीं पाये थे और दो दिनों के अंदर ही मैच पूरा हो गया था। इसके बाद इस पिच पर भी सवाल उठाये गये हैं।

लक्ष्मण को साल 2001 में कोलकाता टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार 281 रन की पारी के लिए याद किया जाता है। इस स्टायलिश बल्लेबाज ने भारत और इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पिच पर संघर्ष करते देख कर दो सुझाव दिए हैं।

उन्होंने कहा, मैंने स्पिनिंग ट्रेक पर कभी स्वीप नहीं किया। मेरे पास दो विकल्प थे, डाउन द विकेट खेलना और लेट खेलना। पहले गेंद के पीछे जाओ और देर से शॉट खेलो।

मैं इसी तरह गेंद की लेंथ को डिस्टर्ब करता था। मैं गेंदबाज को बाध्य करता था कि मुझे ओवर पिच गेंदें फेंकें। लक्ष्मण ने कहा, मैंने शायद ही कभी एरियल शॉट खेला होगा।

मैं अपनी फीट का प्रयोग करता था और मैदान के साथ खेलता था। इस तरह की पिचों पर डिफेंस के महत्व को लक्ष्मण ने बताया कि किस तरह एक बल्लेबाज को अपने डिफेंस पर स्वयं अपने पर भरोसा करना चाहिए। खासतौर पर जब वह इस तरह के ट्रेक पर खेल रहा हो।

उन्होंने कहा, डिफेंस का यह अर्थ नहीं है कि आप फॉरवर्ड खेलें। डिफेंस के लिए आपको अपना वजन शिफ्ट करना होता है। आपके कदम इतने आगे बढ़े होते हैं कि आपका बल्ला पैड़ के सामने नहीं आता।

आईपीएल कार्यक्रम स्थलों से खुश नहीं फ्रेंचाइजियां

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के सत्र का आयोजन 6 शहरों में रखने को लेकर कुछ फ्रेंचाइजियां खुश नहीं हैं। मुंबई के साथ ही चेन्नई, दिल्ली, बैंगलोर, अहमदाबाद और कोलकाता में इस बार आईपीएल मुकाबले खेले जा सकते हैं हालांकि बीसीसीआई का ये कदम कुछ फ्रेंचाइजियों को पसंद नहीं आया है।

कुछ टीम मालिकों का मानना है कि आईपीएल का आयोजन 2 स्थानों पर आयोजित करना ज्यादा अच्छा था। उन्होंने ये भी कहा कि पिछले सीजन में टूर्नामेंट महज 3 स्थानों पर अच्छी तरह आयोजित हुआ। साथ ही टीम मालिकों ने ये भी कहा कि उन्होंने इस हिसाब से ही तैयारी शुरू कर दी थी कि इस बार आईपीएल 2021 मुंबई, पुणे और अहमदाबाद में ही होगा लेकिन अब योजना पूरी तरह बदल गई है। एक फ्रेंचाइजी मालिक ने कहा, बिलकुल ये खतरनाक अनुभव है। महज 2 शहरों में आईपीएल 2021 का आयोजन करना ज्यादा अच्छा आइडिया था।

साल 2020 में भी आईपीएल तीन जगहों पर आयोजित किया गया और वो सफल भी साबित हुआ। टीमों ने तैयारी शुरू कर दी थी, सभी को लग रहा था कि मुंबई, पुणे और अहमदाबाद में मैच होने हैं। अब सबकुछ बदल गया है। फ्रेंचाइजी जल्द जानना चाहेंगी कि होना क्या है।

खबरों के मुताबिक मुंबई में आईपीएल मैचों को हरी झंडी तो मिल चुकी है लेकिन वहां कोरोना के चलते मुकाबले खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं दूसरे शहरों में 50 फीसदी फैंस स्टेडियम में मैच का आनंद ले पाएंगे।

आईपीएल में विराट के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं मैक्सवेल

वेलिंगटन, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्हें भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ खेलने का अच्छा अवसर मिलेगा । मैक्सवेल के अनुसार इस दौरान उन्हें विराट से खेल को लेकर काफी कुछ सीखने का भी अवसर मिलेगा। इसी लिए वह आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मैक्सवेल के अनुसार विराट अभी विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक हैं और खेल के शीर्ष पर हैं। ऐसे में उनके साथ खेलना हर प्रकार से लाभकारी होता है। विराट की कप्तानी वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने मैक्सवेल को पिछले महीने ही नीलामी में 14.25 करोड़ रुपए देकर खरीदा है। आईपीएल 2020 में खराब प्रदर्शन के बाद से ही पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल को रिलीज कर दिया था। मैक्सवेल ने कहा, वह (कोहली) टेस्ट से लेकर टी20 तक सभी प्रारूपों में छाया हुआ है और पिछले कुछ समय से इस खेल में नंबर एक बना हुआ है। उन्होंने कहा, वह हालातों के अनुसार अपने खेल को ढालता है, लंबे समय तक दबदबा बनाए रखता है। इंडियन प्रीमियर लीग के अप्रैल के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है और इस ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर को उम्मीद है कि उन्हें इस दौरान भारतीय कप्तान से नेतृत्वक्षमता के गुण सीखने को मिलेंगे।कोहली आरसीबी में मैक्सवेल के कप्तान होंगे। इस 32 वर्षीय आलराउंडर ने कहा, मैं केवल मैच ही नहीं बल्कि अभ्यास को लेकर उनकी कार्यशैली को समझने को लेकर उत्सुक हूं। उम्मीद है कि मैं उनसे नेतृत्वकौशल के भी कुछ गुण सीखने में सफल रहूंगा।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने विराट को आधुनिक युग का नायक बताया

मुंबई, (एजेंसी) आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान बल्लेबाज स्टीव वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए उन्हें आधुनिक युग के किसी हीरो की तरह का बताया है। वॉ ने कहा कि विराट भारत के नए रवैये का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कुछ भी असंभव नहीं होने की मानसिकता के साथ हर प्रकार के हालातों का सामना करने के लिए तैयार हैं। इस पूर्व कप्तान ने कैप्चरिंग क्रिकेटः स्टीव वॉ इन इंडिया शीर्षक वाली 60 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में कहा कि विरोधी से नहीं डरने के रवैये के कारण ही प्रशंसक कोहली को पसंद करते हैं।

डॉक्यूमेंट्री के विमोचन के बाद वॉ ने कहा, कोहली भारत के नए रवैये की तरह है, जो है डटे रहिए, किसी से भी नहीं डरिए। सभी चीजों का सामना करिए इससे कुछ भी हासिल किया जा सकता है और संभव है। वह आधुनिक हीरो की तरह हैं। वॉ ने कहा कि वह हमेशा इस बात से मोहित रहते हैं कि कैसे भारत के लोग क्रिकेट का जश्न मनाते हैं।

उन्होंने कहा, क्रिकेट को कैमरे में कैद करना मेरे दिल के काफी करीब है क्योंकि इसमें मेरे दो जुनून आते है, क्रिकेट और फोटोग्राफी। वॉ ने कहा, 1986 में मेरे पहले भारत दौरे के बाद से मैं हमेशा मोहित रहता था कि कैसे स्थानीय लोग क्रिकेट के खेल का जश्न मनाते हैं। वॉ ने कहा कि हाल में धर्मशाला में स्टेडियम और मुंबई में ओवल मैदान की यात्रा ने उन्हें जीवनभर के लिए यादगार क्षण दिए।

ओमान और यूएई के खिलाफ फुटबाल मुकाबलों के लिए कोच स्टिमाक ने 35 संभावित खिलाड़ी चुने

नई दिल्ली, (संवाददाता)। ओमान और यूएई के खिलाफ दुबई में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए मंगलवार को भारत के राष्ट्रीय फुटबॉल कोच इगोर स्टिमाक ने 35 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जिसमें 10 नए चेहरों को स्थान दिया हैं। भारतीय पुरुष टीम को ओमान के खिलाफ 25 मार्च जबकि यूएई के खिलाफ 29 मार्च को खेलना है। इंडियन सुपर लीग के 13 मार्च को होने वाले फाइनल के बाद 28 खिलाड़ियों की अंतिम सूची की घोषणा की जाएगी। खिलाड़ी इसके बाद 15 मार्च से दुबई में तैयारी शिविर के लिए जुटेंगे। स्टिमाक ने विज्ञप्ति में कहा, हम सूची में 35 खिलाड़ियों को जगह दी है जिससे कि अगर आईएसएल प्ले आफ के दौरान कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी भरपाई हो सके।

नए चेहरों के संदर्भ में उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए मुश्किल साल रहा और अंततः हम सब एक साथ आ रहे हैं। कुछ नए खिलाड़ियों से मिलना शानदार होगा। क्रोएशिया के लिए विश्व कप खेल चुके स्टिमाक ने कहा कि ओमान और यूएई के खिलाफ होने वाले मुकाबले टीम के लिए महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि उन्होंने एक साल से अधिक समय से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। स्टिमाक ने कहा कि ब्रेंडन फर्नांडिज, राहुल भेके, सहल अब्दुल समद और आशीष राय को सूची में जगह नहीं मिली हैं क्योंकि ये सभी अभी चोटिल हैं। भारत ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच नवंबर 2019 में ताजिकिस्तान में अफगानिस्तान और मस्कट में ओमान के खिलाफ 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के रूप में खेला था। ओमान और यूएई के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले 2022 फीफा विश्व कप और 2023 एशियाई कप क्वालीफायर की भारत की तैयारी का हिस्सा है। भारत 2022 विश्व कप की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन अब भी 2023 एशियाई कप के क्वालीफिकेशन की दौड़ में बना हुआ है।

संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैंः

गोलकीपरः गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, सुभाशीष रॉय चौधरी, धीरज सिंह और विशाल कैथ।

डिफेंडर्सः सेरिटोन फर्नांडिस, आशुतोष मेहता, आकाश मिश्रा, प्रीतम कोटाल, संदेश झिंगन, चिंगलेनसाना सिंह, सार्थक गोलूई, आदिल खान, मंदार राव देसाई, प्रबीर दास और मशूर शरीफ।

मिडफील्डर्सः उदांता सिंह, रोलिन बोरगेस, लालेंगमाविया, जैकसन सिंह, रेनियर फर्नांडिस, अनिरुद्ध थापा, बिपिन सिंह, यासिर मोहम्मद, सुरेश सिंह, लिस्टन कोलासो, हालीचरण नारजरी, लालियानजुआला चांगटे, आशिक कुरुनियन, राहुल केपी, हितेश शर्मा और फारूख चौधरी।

फारवर्डः मनवीर सिंह, सुनील छेत्री और इशान पंडिता।

विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तराखंड नॉकआउट चरण में पहुंचा

चेन्नई, (एजेंसी)। उत्तराखंड ने विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। उत्तराखंड ने एक दिवसीय राष्ट्रीय क्रिकेट चैम्पियनशिप के प्लेट चरण में सिक्किम को 145 रन से हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनायी। उत्तराखंड ने इस मैच में बेहतर रनरेट के आधार पर असम को पीछे छोड़ा। वहीं असम ने मिजोरम को 182 रन से हराया। उत्तराखंड और असम ने सारे मैच जीते हैं पर उत्तराखंड का रनरेट 3.273 था जबकि असम का 1.909 रहा है। वहीं मेघालय ने नगालैंड को हराया और वह तीसरे स्थान पर रहा। सिक्किम चौथे, अरूणाचल प्रदेश पांचवें, मिजोरम छठे और मणिपुर सातवें स्थान पर रहा। सिक्किम के साथ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड टीम की ओर से कमल सिंह ने 121 गेंद में 16 चौकों की मदद से 119 रन बनाए जबकि जय बिस्टा ने 67 गेंद में 54 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 133 रन जोड़े। कमल ने कप्तान कुणाल चंदेला के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। इस प्रकार उत्तराखंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 306 रन बनाए। इसके जवाब में सिक्किम की टीम 50 ओवर में छह विकेट पर 161 रन ही बना पायीए। अन्य मैचों में असम ने आठ विकेट पर 342 रन बनाए जिसके जवाब में मिजोरम की टीम 43.5 ओवर में 160 रन ही बना पायी।

वर्ल्ड एमेचुअर रैंकिंग गोल्फ में उमेश शीर्ष पर रहे

चंडीगढ़, (एजेंसी)। उमेश कुमार ने वर्ल्ड एमेचुअर रैंकिंग गोल्फ टूनार्मेंट में पहला स्थान हासिल किया है। द यंग मास्टर्स टूर की ओर से मोहाली के फार्रेस्ट हिल गोल्फ रिसॉर्ज में वर्ल्ड एमेचुअर रैंकिंग टूनार्मेंट का आयोजन किय गया। टूनार्मेंट के पहले 2 दिन अभिषेक उमेध से चार स्ट्रोक तो वासु सहगल से 5 स्ट्रोक आगे चल रहे थे पर 15वें होल तक पहुंचते ही उमेश आगे निकल गए।

अंतिम टेस्ट में तेज गेंदबाज के तौर पर उमेश, सिराज में से किसी एक को मिलेगा अवसर

अहमदाबाद, (एजेंसी)। टीम इंडिया यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में तेज गेंदबाज के तौर पर अनुभवी उमेश यादव या युवा मोहम्मद सिराज में से किसे अंतिम ग्यारह में शामिल करती है यह देखना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पहले ही इस मैच से अपना नाम वापस ले लिया था, ऐसे में एक तेज गेंदबाज की जगह खाली है। कप्तान विराट कोहली अंतिम ग्यारह की घोषणा से पहले सुबह पिच पर गौर करेंगे। उसी के बाद यह तय होगा कि किस खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी।

उमेश सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे हैं ऐसे में उनकी संभावनाएं ज्यादा हैं। घरेलू मैदान में खेले पिछले पांच टेस्ट में उन्होंने 14 विकेट लिए हैं। चोट से उबरने के बाद उन्होंने बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की है। यह कप्तान पर निर्भर करेगा कि वह उन्हें मौका देते हैं या नहीं। वहीं सिराज के ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन ने सबको प्रभावित किया था पर यहां के हालात अलग हैं। यहां पिच से गेंदबाजों को कोई मूवमेंट नहीं मिलेगा। सिराज को यहां सफलता मिलना संदिग्ध नजर आता है। चेन्नई में खेले गए दूसरे टेस्ट में सिराज ने पहली पारी में 8 ओवर गेंदबाजी की और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन सिराज घरेलू क्रिकेट में काफी सफल रहे हैं। कोहली उन्हें सुबह के सत्र में अच्छी गेंदबाजी के लिए मौका दे सकते हैं। पहले तीन टेस्ट में स्पिनर ट्रैक होने के चलते कोहली को एक अतिरिक्त स्पिनर खिलाना पड़ा था। इसके लिए उन्हें वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव में से एक का चयन करना होगा। पहले टेस्ट में सुंदर ने पहली पारी में 26 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें खास सफलता नहीं मिली। वहीं दूसरी पारी में उन्हें सिर्फ एक ओवर दिया गया। दूसरे टेस्ट में सुंदर की जगह कुलदीप यादव को मौका मिला था। उन्हें दोनों पारियों में 12.2 ओवर गेंदबाजी करने का मौका मिला। तीसरे टेस्ट में कुलदीप की जगह सुंदर को जगह दी गयीद्य। इस बार भी सुंदर का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि वह गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

तो एशिया कप 2021 होगा स्थगित : मनी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय टीम अगर इंग्लैंड को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची तो एशिया कप स्थगित होने के कारण श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसका कारण यह है कि टीम इंडिया श्रीलंका में होने वाले एशिया कप में शायद ही हिस्सा लेगी क्योंकि इस दौरान वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। भारत अगर एशिया कप में नहीं खेलता है तो दूसरे क्रिकेट बोर्ड और प्रसारणकताओं को बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है और यही वजह है कि इस टूनार्मेंट के स्थगित होने की बात सामने आ रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ एहसान मनी ने कहा है कि अगर टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाती है तो इस साल होने वाला एशिया कप 2023 तक स्थगित हो सकता है। कराची में पीसीबी चेयरमैन एहसान मनी ने एशिया कप को लेकर बड़ी बात कही। वहीं टीम इंडिया का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना लगभग तय है। मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे है और सीरीज के आखिरी टेस्ट में उसे महज ड्रॉ के साथ ही फाइनल का टिकट मिल जाएगा।

लीवरपूल में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में गेंद को दूर फेंकते हुए एवरटन के गोलकीपर जॉर्डन।